राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण बुधवार 22 मई 2024 वर्ष-7, अंक-118 पृष्ठ-08 मूल्य-01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पहला कॉलम

प्रियंका गांधी 25 मई को वाराणसी में करेंगी रोड शो

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लोकसभा क्षेत्र वाराणसी में अब कांग्रेस नेत्री प्रियंका गांधी 25 मई को रोड शो करने जा रही हैं। कांग्रेस ने प्रियंका गांधी के रोड शो का कार्यक्रम तय किया हुआ है। इसके तहत 25 को ही प्रियंका वाराणसी व महाराजगंज में पार्टी का चुनाव प्रचार करेंगी। यहां बतलाते चलें कि वाराणसी लोकसभा सीट के लिए कांग्रेस ने अजय राय को प्रत्याशी घोषित करते हुए चुनाव मैदान में उतारा है। ऐसे में प्रियंका गांधी महाराजगंज में जनसभा को संबोधित करेंगी उसके बाद वह वाराणसी में रोड शो करने पहुंचेंगी। लोकसभा चुनाव 2024 के पांचवें चरण के मतदान के बाद कांग्रेस चुनाव प्रचार में कोई कमी नहीं छोड़ना चाहती है, ऐसे में प्रियंका का वाराणसी में 25 मई को होने वाले रोड शो को बहुत अहम माना जा रहा है। वैसे छठवें चरण के मतदान में कांग्रेस केवल इलाहाबाद लोकसभा सीट से चुनाव लड़ रही है, जबकि अंतिम सातवें चरण में वाराणसी, बांसगांव, देवरिया व महाराजगंज की लोकसभा सीटों पर कांग्रेस चुनावी मैदान में है।

स्वाति मालीवाल मामला : एलजी सक्सेना ने सबूतों से छेड़छाड़ पर जताई चिंता

नई दिल्ली। स्वाति मालीवाल मामले में पहली बार दिल्ली के उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने बयान देकर अपनी चिंता जाहिर की है। उपराज्यपाल सक्सेना ने सबूतों से कथित छेड़छाड़ पर चिंता जाहिर करते हुए कहा, कि मैं पिछले कुछ दिनों से आम आदमी पार्टी की सांसद स्वाति मालीवाल पर मुख्यमंत्री आवास पर कथित हमले के मुद्दे पर मीडिया में आ रहीं खबरों से बहुत व्यथित हुआ हूं। दरअसल एलजी सक्सेना ने यह बयान तब दिया है, जबकि स्वयं स्वाति मालीवाल उनसे मिलकर अपना दर्द बयां किया। उपराज्यपाल सक्सेना ने कहा कि उसने मुझे अपने दर्दनाक अनुभव के बारे में कल विस्तार से बताया। उसने चिंता जाहिर की है कि सबूतों के साथ छेड़छाड़ हुई। इस प्रकार एलजी ने स्वाति मालीवाल द्वारा दी गई जानकारी पर ही चिंता जाहिर की है।

न वोट डाला, न प्रचार किया..अब पार्टी ने भेजा नोटिस

हजारीबाग सांसद जयंत सिन्हा से बीजेपी ने 2 दिन में मांगा जवाब,विधायक को भी शो-कॉज

रांची । हजारीबाग से बीजेपी सांसद जयंत सिन्हा को पार्टी ने शो-कॉज किया है। उन्हें दो दिनों के अंदर स्पष्टीकरण देने को कहा है। चुनाव प्रचार से खुद को दूर रखने और वोट नहीं देने को लेकर पार्टी ने तलब किया है। वहीं प्रदेश भाजपा ने धनबाद विधायक राज सिन्हा और उनके विधानसभा क्षेत्र के पांच मंडल अध्यक्षों को भी नोटिस जारी किया गया है। प्रदेश महामंत्री आदित्य साहू की साइन से लेटर जारी किया गया है। इस बार के चुनाव में बीजेपी ने हजारीबाग से मनीष जायसवाल को टिकट दिया था। प्रदेश भाजपा की ओर से जारी पत्र में लिखा गया है कि हजारीबाग लोकसभा सीट से पार्टी ने मनीष जायसवाल को प्रत्याशी घोषित किया है, तब से आप चुनाव प्रचार में शामिल नहीं हो रहे हैं। आप संगठनात्मक कार्य में भी रुचि नहीं ले रहे हैं। लोकतंत्र के महापर्व में आपने अपने मताधिकार का प्रयोग करना भी उचित नहीं समझा। आपके इस रवैये से पार्टी की छवि धूमिल हुई है। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी के निर्देशानुसार आप इस संबंध में दो दिनों में स्पष्टीकरण दें।

ऑस्ट्रेलियाई लड़की ने इंदौरी युवक पर लगाया यौन शोषण का आरोप

दिलचस्प बात यह है कि दोनों कभी मिले भी नहीं

नई दिल्ली ।

ऑस्ट्रेलिया की एक लड़की ने भारतीय लड़के पर यौन शोषण का आरोप लगाया है। लेकिन इस मामले में दिलचस्प बात यह है कि दोनों कभी मिले भी नहीं। हालांकि, दोनों की सोशल मीडिया पर बातचीत होती थी। अब मामले में सीबीआई ने भी एक्शन ले लिया है। सीबीआई ने इंस्टाग्राम के जरिए ऑस्ट्रेलिया की एक नाबालिग लड़की का यौन शोषण कर धमकी देने के आरोप में इंदौर के शख्स के खिलाफ मामला दर्ज किया है। सीबीआई को इंटरपोल से जानकारी मिली थी कि इंदौर के निवासी अंकुर शुक्ला ने इंस्टाग्राम के जरिए ऑस्ट्रेलिया की एक लड़की से दोस्ती की थी। नाबालिग लड़की के साथ बातचीत में अंकुर शुक्ला ने कथित तौर पर लड़की से अपनी आपत्तिजनक तस्वीरें और वीडियो भेजने के लिए कहा था। सीबीआई ने कहा, आरोप लगाया गया कि कुछ समय के बाद जब उक्त नाबालिग लड़की ने तस्वीरें और वीडियो साझा करने के प्रति अनिच्छा दिखाई, तब आरोपी ने लड़की को धमकी देना शुरू कर दिया कि वह उसकी तस्वीरें और वीडियो उसके दोस्तों और परिवार के सदस्यों को भेज देगा, परिणामस्वरूप, लड़की ने ऐसा करना जारी रखा.' उन्होंने बताया कि लड़की ने बाद में शुक्ला को इंस्टाग्राम पर 'ब्लॉक' कर दिया लेकिन वह व्हाट्सएप का इस्तेमाल कर धमकाता रहा। सीबीआई प्रवक्ता ने कहा, 'सीबीआई ने आरोपी के ठिकाने का पता लगाया और सबूत इकट्ठा किया। आरोपी के परिसरों में तलाशी लेकर कंप्यूटर हार्ड डिस्क, मोबाइल फोन बरामद किए गए। जल्द ही आरोपी अंकुर को गिरफ्तार किया जाएगा।

इशारों-इशारों में केजरीवाल को मोदी का जबाव....

ये जनता ही मेरी उत्तराधिकारी

लोगों से अपील कैंडिडेट न देखें बल्कि पीएम का चुनाव करें

महाराजगंज ।

लोकसभा चुनाव प्रचार के बीच पीएम नरेंद्र मोदी ने अपने उत्तराधिकारी को लेकर बड़ी टिप्पणी की है। प्रधानमंत्री ने महाराजगंज में रैली को संबोधित कर कहा कि मेरा कोई उत्तराधिकारी नहीं है। देश के लोग ही मेरे उत्तराधिकारी हैं। दरअसल बीते कई दिनों से दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल लगातार कह रहे थे कि यदि भाजपा की फिर से सरकार बनी, तब पीएम मोदी बीच में ही छोड़कर अमित शाह को कमान सौंप सकते हैं। बात दें कि इन बातों का ही पीएम मोदी ने बिना किसी का नाम लिए इशारों में जवाब दिया है।

पीएम मोदी ने कहा कि बिहार राजेंद्र प्रसाद की धरती है, लेकिन आरजेडी और कांग्रेस ने इसकी पहचान वसूली के लिए बना दी है। प्रधानमंत्री ने लोगों से अपील की कि आप लोग गांव-गांव जाएं और लोगों से कहें कि हम मोदी जी की तरफ से आए हैं। उन्हें बताएं कि कैसे एनडीए की सरकार फिर से बनी तब उन्हें आवास मिलेगा। ये आवास घर की महिला मुखिया के नाम पर होगा। आने वाले 5 साल बिहार के लिए समृद्धि लेकर आने वाले हैं। हमारी बहनें अब ड्रोन पायलट बनेंगी और वे ड्रोन से खेती करके पायलट बनें, हमने ऐसी योजना बनाई है। हमारी गारंटी है कि तीन करोड़ बहनों को लखपति दीदी बनाना है।

प्रधानमंत्री मोदी ने जनता से साफ कहा कि वे कैंडिडेट न देखें बल्कि पीएम का चुनाव करें। उन्होंने कहा कि आपका यह वोट सिर्फ सांसद चुनने के लिए नहीं है, बल्कि प्रधानमंत्री चुनने के लिए है। उन्होंने जनता से अपील की कि आप लोग सभी को कहना है कि अपने मोदी जी आए थे और उन्होंने आपसे जय श्रीराम कहा है। इंडी गठबंधन पर हमला कर पीएम मोदी ने कहा कि ये लोग सहन नहीं कर सकते कि देश की जनता अगले 5 साल के लिए फिर से चुनने जा रही है। उन्होंने कहा कि जैसे-जैसे 4 जून की तारीख करीब आएगी है। इन लोगों की ओर से मुझे मिलने वाली गालियां भी बढ़ती जा रही हैं। पीएम मोदी ने कहा कि आपने बच्चों के भविष्य, विकसित बिहार और विकसित भारत के लिए यह सरकार बहुत जरूरी है।

सुप्रीम कोर्ट की केंद्र से सिफारिश...... सजा देने को लेकर समग्र नीति तैयार करे

6 माह में रिपोर्ट पेश की जाए

नई दिल्ली ।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि आरोपित को दोषी करार देने के बाद सजा दिया जाना लॉटरी की तरह नहीं होना चाहिए। दोषी को सजा देने के मामले में अभी व्यापक तौर पर विषमताएं हैं, यह पूरी तरह जज पर निर्भर है। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार से सिफारिश की है कि वह सजा देने के मामले में एक समग्र नीति तैयार करे। इसके लिए छह महीने में रिपोर्ट पेश की जाए। जस्टिस एमएम सुंदरेश और जस्टिस एसवीएन भाटी की बेंच ने कहा कि जज कभी भी दायरे से बाहर नहीं होना चाहिए। अनुच्छेद-14 और 21 के तहत यह बेहद अहम अधिकार है और यह सभी को मिला हुआ है। शीर्ष अदालत ने कहा कि सजा पर बहस के दौरान सीआरपीसी की धारा-360 के तहत कोर्ट का दायित्व होता है कि वह तमाम तथ्यों पर विचार करे। इस दौरान आरोपित का व्यवहार आदि भी देखा जाता है। दरअसल बिहार में पॉक्सो का मामला दर्ज हुआ था। ट्रायल कोर्ट ने एक ही दिन में सुनवाई पूरी की। आरोप है कि आरोपित को बचाव का मौका नहीं देकर दो दिनों बाद मामले में फांसी की सजा दी गई। मामला हाई कोर्ट के पास पहुंचा। हाई कोर्ट ने कहा कि सीआरपीसी के अलग-अलग प्रावधान का पालन नहीं हुआ। ट्रायल कोर्ट के फैसले को खारिज कर फिर से ट्रायल का आदेश

हुआ। इस फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी गई थी। सुप्रीम कोर्ट ने अपील खारिज कर निर्देश दिया कि ट्रायल कोर्ट पॉक्सो के तहत ट्रायल पूरा करे। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि कनाडा, न्यूजीलैंड, इस्त्राइल, ब्रिटेन में समग्र नीति तैयार है। इसके लिए लॉ कमिशन ने भी 2003 में रिपोर्ट पेश की थी। तब लॉ कमिशन ने कहा था कि भारत में सजा देने को लेकर एक समग्र नीति तैयार की जानी चाहिए। अगर सजा को लेकर गाइडलाइंस बनती हैं तब निश्चित तौर पर इसका क्रिमिनल जस्टिस सिस्टम में काफी फायदा होगा। इस फैसले का दूरगामी असर देखने को मिल सकता है।

मैं मोदी की विचारधारा के खिलाफ हूं और इसके खिलाफ लड़ रहा हूंः खड़गे

नई दिल्ली ।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को 'झूठों क सरदार कह कर दावा किया कि भाजपा लोकतंत्र को समाप्त करना चाहती है। हरियाणा में अपनी पहली रैली को संबोधित कर कांग्रेस अध्यक्ष खरगे ने कहा कि लोग भाजपा से तंग आ चुके हैं। उन्होंने कहा, ''कुछ लोग हैं जो 'मोदी मोदी' चिल्लाते हैं। वह 'झूठों के सरदार' हैं, फिर भी आप 'मोदी मोदी' करते हैं। मैं किसी को गाली नहीं देना चाहता और मैं मोदी के खिलाफ नहीं हूं। लेकिन मैं मोदी की विचारधारा के जरूर खिलाफ हूं और मैं इसके खिलाफ लड़ रहा हूं।'' खरगे ने कहा कि उनकी पार्टी राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) और भाजपा की विचारधारा से लड़ रही है। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा, ''मोदी जी आपको लगता है कि आप समझदार हैं। इस देश की जनता आपसे ज्यादा समझदार है। लोग आपके खिलाफ लड़ रहे हैं। खरगे ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने हर नागरिक के बैंक खाते में 15 लाख रुपये डालने, हर साल दो करोड़ नौकरी देने और किसानों की आय दोगुनी करने का वादा किया था।

भारत को चीन की इस रणनीति से रहना होगा सतर्क

नई दिल्ली ।

दक्षिण-पूर्व एशियाई देशों में चीन जिस तरह से अपनी पैठ बढ़ा रहा है, इससे भारत के लिए चिंता बढ़ जाती है, क्योंकि उनका सहारा लेकर ड्रैगन ना सिर्फ क्षेत्र में खुद को मजबूत बनाएगा, बल्कि वह नई दिल्ली के हितों को भी प्रभावित करेगा। दरअसल, बीजिंग के बढ़ते प्रभाव के बारे में सवाल उठने के बाद कंबोडिया और चीन ने 15 दिवसीय सैन्य अभ्यास शुरू किया। 'रेगुलर गोल्डन ड्रैगन' जमीनी और समुद्री युद्धाभ्यास में कंबोडियाई सेना के लगभग 1,315 जवान और 760 चीनी भाग ले रहे हैं। सैन्य अभ्यास में चीन के तीन और 11 कंबोडियाई जहाज भी शामिल हैं। जैसे ही सैन्य अभ्यास का पहला फेज नोम पेन्ह से लगभग 90 किलोमीटर (55 मील) उत्तर-पश्चिम में एक जंगली और पहाड़ी ट्रेनिंग एरिया वाले कंबोडियाई मिलिट्री बेस पर शुरू हुआ, कंबोडियाई सेना के कमांडर-इन-चीफ जनरल वोंग पिसेन ने नए साजो-सामान देने और रीम नेवल बेस सहित मिलिट्री फैसिलिटी को अपग्रेड करने में मदद करने के लिए चीन को धन्यवाद दिया। अमेरिका और अन्य देश इससे लेकर परेशान हैं कि रीम पर एक गोदी के निर्माण में चीन की भागीदारी से यह थाईलैंड की खाड़ी पर चीनी नौसेना के लिए नई निगरानी चौकी बन सकता है। इसके अलावा, चीन के दो वॉरशिप पांच माह से अधिक समय से गोदी पर खड़े होने से अमेरिका और अन्य देशों की चिंताओं को बल मिला है। कंबोडिया ने हालांकि कहा है कि उनका संविधान उनके क्षेत्र में विदेशी सैन्य बलों की तैनाती पर रोक लगाता है। इतना ही नहीं रक्षा मंत्रालय ने कहा कि चीन के दो वॉरशिप गोदी का 'परीक्षण' कर रहे हैं और अभ्यास में हिस्सा लेने के लिए यहां पर हैं। सैन्य अभ्यास शुरू होने से पहले दोनों सैन्य अधिकारियों ने सैनिकों और बख्तरबंद लड़ाकू वाहनों, तोपखाने और अन्य उपकरणों का निरीक्षण किया। 'गोल्डन ड्रैगन' एक्सरसाइज 2016 से नियमित आधार पर किया जा रहा है, लगभग तभी जब कंबोडिया ने अमेरिका के साथ अंगकोर सेंटिनल के रूप में जाने जाने वाले इसी तरह के एक एक्सरसाइज को रद्द कर दिया था।

भष्ट्राचार को खत्म करने आए केजरीवाल आज स्वंय भष्ट्राचार में डूबे : भजनलाल

नई दिल्ली ।

राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कांग्रेस पर देश में भ्रष्टाचार और तुष्टिकरण के आधार पर काम करने का आरोप लगाकर कहा है कि 2014 से पहले देश की स्थिति बिगाड़ने वालों के बारे में जनता को सोचना होगा।श्री शर्मा ने नई दिल्ली लोकसभा सीट पर भाजपा प्रत्याशी बांसुरी स्वराज के समर्थन में मोती नगर में जनसभा को संबोधित किया।

उन्होंने कहा कि वर्ष 2014 से पहले देश में एक से बढ़कर एक भ्रष्टाचार हुए। इस स्थिति को देखकर राष्ट्रवादी लोगों की आंखो में आंसू आ जाते थे। 2014 से पहले देश में लोगों ने आतंकवाद और विभिन्न प्रदेशों ने नक्सलवाद की घटनाओं को झेला, लेकिन आज आतंकवाद एवं नक्सलवाद नजर नहीं आता।

उन्होंने आरोप लगाकर कहा कि देश में कांग्रेस ने भ्रष्टाचार और तुष्टिकरण के आधार पर काम किया। वर्ष 1984 में सिखों के साथ दंगे हुए और दोषियों को बचाने का काम कांग्रेस ने किया। उन्होंने कहा कि आज देश की स्थिति क्या है, और 2014 से पहले देश की स्थिति बिगाड़ने वाले कौन लोग थे इसके बारे में सभी को सोचना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में 2014 के बाद देश में परिवर्तन आया है। गरीब कल्याण की योजना, विकास की योजनाएं, सीमा की सुरक्षा एवं दुनिया में बढ़ता देश का गौरव आमजन महसूस कर रहा है। आज बढ़ता हुआ भारत दिख रहा है। 2014 से पहले देश की अर्थव्यवस्था 11वें स्थान पर थी, आज दुनिया में पांचवीं बड़ी अर्थव्यवस्था है और आने वाले समय में तीसरे स्थान पहुंचेगी।

उन्होंने कहा कि दिल्ली मुंबई एक्सप्रेस हाइवे, दिल्ली चंडीगढ़ एक्सप्रेस हाइवे का विकास सभी ने देखा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली देश का दिल है और यहां के आमजन के दिल में भाजपा है। सामजिक कार्यकर्ता अन्ना हजारे के साथ आंदोलन कर भ्रष्टाचार हटाने की बात कहकर सत्ता में आये केजरीवाल स्वयं भ्रष्टाचार में डूबे हुए हैं।

महिला राज्यसभा सांसद के साथ दिल्ली मुख्यमंत्री आवास में हुई घटना शर्मसार करने वाली है।

कांग्रेस के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडग़े बोले- मोदी झूठों के सरदार

-हम बताएंगे देश कैसे चलाते हैं

चंडीगढ़ । ऑल इंडिया कांग्रेस के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडग़े मंगलवार को हरियाणा पहुंचे। यहां उन्होंने यमुनानगर के जगाधरी में रैली को संबोधित किया। इस दौरान खडग़े ने पीएम नरेंद्र मोदी और बीजेपी पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री झूठा है। ऐसे प्रधानमंत्री को अगर मैं झूठों का सरदार बोलूंगा तो क्या गलत है। खडग़े ने कहा हमारे लोगों को चुनो। हम बता देंगे कि देश कैसे चलता है। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि हुड्डा साहब ने हमको कहा है हम हरियाणा में ज्यादा से ज्यादा सीट लाएंगे। इस पर मंच पर बैठे पूर्व सीएम हुड्डा ने कहा- हम 10 की 10 सीटें लाएंगे।

हरियाणा को हम नंबर वन बनाएंगे

खडग़े ने कहा कि हरियाणा को हम नंबर वन बनाएंगे। मोदी नहीं बना पाए, इनके चेले भी नहीं बना पाए। हम करेंगे। ये सोचते ही रहेंगे। मोदी कभी महंगाई के बारे में बात नहीं करते। बेरोजगारी इतनी बढ़ी है, उस पर नहीं बोलते। पेट्रोल 2014 में 66 रुपए था, मोदी साहब आपके जमाने में 102 रुपए है, डीजल हमारे जमाने में 52 रुपए था, आज 90 रुपए है। यही हाल एलपीजी का भी है।

भाजपा वाले गांधी फैमिली को गाली देते

कांग्रेस के अध्यक्ष ने कहा कि हम जो ये लड़ाई लड़ रहे हैं वह संविधान बचाने की लड़ाई है। इसमें सब कुछ है, सबको बचाने के अधिकार हैं। इसको बचाने के लिए राहुल गांधी भी लड़ रहे हैं। आप लोग भी लड़ रहे हैं। लड़ाई उनके साथ है जो इसे मिटाना चाहते हैं। आखिर दम तक लड़ेंगे। आरएसएस और बीजेपी संविधान को खत्म करना चाहती है। हमारे साथ आप हैं, हम आपके साथ हैं। कोई हमें मिटा नहीं सकता। दिल्ली की गलियों में फिर रहे हैं, पहले नहीं फिरते थे। हर जगह रोड शो कर रहे हैं। पहले बाहर ही नहीं निकलते थे। पहले दूरदर्शन था, दिखते नहीं थे। दूर से दिखते थे। अब जीप से घूम रहे हैं। राहुल गांधी पर जब तक नहीं बोलते, तब तक उनका खाना हजम नहीं होता। गांधी फैमिली को गाली देते हैं। भाई सत्ता तुम्हारे पास है।

हमारा घोषणा पत्र सब के लिए हैं

उन्होंने कहा कि ये नौकरी ही नहीं देना चाहते हैं। बातें ऐसी ऐसी करेंगे, एक बार तो बोले कि मैं बुलेट ट्रेन चलाऊंगा। पहले एक लाख करोड़ रुपए बताए, अब दो लाख करोड़ रुपए उसकी कीमत हो गई, लेकिन बुलेट ट्रेन नहीं ला पाए। अब गठबंधन की सरकार आने वाली है। मैं ये दावे के साथ कह रहा हूं। हमारा घोषणा पत्र सबके लिए है। किसी एक कौम, किसी एक वर्ग के लिए नहीं। 140 करोड़ लोगों के लिए यह घोषणा पत्र है। फिर मोदी ये कहते हैं कि यह मुसलिम लीग का पत्र है। अगर तुम्हें पढऩा नहीं आता तो हम एक बंदा भेजेंगे, वह तुम्हें पढक़र सुनाएगा।

मोदी किसी को पक्की नौकरी नहीं देता

उन्होंने कहा कि मोदी की हमेशा की आदत है कि वह किसी को पक्की नौकरी नहीं देते हैं। बेरोजगार ही रखना चाहते हैं। बहुत से सरकारी नौकरी में निकलते हैं, जब वह कंपटीशन पास कर लेते हैं, फिर पेपर लीक हो जाता है।

चुनाव परिणामों से जुड़ी फिजूल की अटकलें

ललित गर्ग

पांचवें चरण में हो रहा लोकसभा का यह चुनाव भाजपा के लिए 'सेफ जोन' की तरह माना जाता है। दरअसल भाजपा और एनडीए ने मिलकर पिछले लोकसभा चुनाव में पांचवें चरण की 49 सीटों पर जिस तरह से बैटिंग की थी, वह उसको सत्ता की सीढ़ी तक ले गई। जबकि 2014 में भी भाजपा ने अपने सियासी ग्राफ को इस चरण में मजबूती के साथ आगे बढ़ाया था। सियासी जानकारों का मानना है कि भाजपा ने अपने इसी मजबूत सियासी ग्राफ के मद्देनजर पूरी फील्डिंग पांचवें चरण की 49 सीटों पर लगा दी है। वहीं इंडिया गठबंधन और उसके सियासी दलों, जिसमें कांग्रेस और सपा समेत शिवसेना ने पांचवें चरण के लिए 2014 से पहले वाली रवायत को आगे बढ़ाने के लिए पूरी तैयारी की है। अब परिणाम तो भविष्य के गर्भ में हैं।

पांचवें चरण के तहत सोमवार को आठ राज्यों और केंद्रशासित क्षेत्रों की 49 लोकसभा सीटों पर वोट डाले गये, इसके बाद दो ही चरण की वोटिंग शेष रह जाएगी। शेष रहे दो चरणों के चुनाव पर पूरे देश की निगाहें लगी हुई हैं और जैसे-जैसे चुनाव सम्पन्नता की ओर बढ़ रहे हैं, राजनीतिक दलों की आक्रामकता अब चुनाव परिणामों को लेकर फिजूल की अटकलों के रूप में देखने को मिल रही है। वैसे तो तीन चरणों के बाद ही चुनाव परिणामों से जुड़ी अटकलें पर सारे चुनावी परिदृश्य बन रहे हैं। आम मतदाता की जरूरतों से जुड़े मुद्दों पर सार्थक बहस करने की बजाय चुनाव नतीजों की भविष्यवाणियों में चुनाव परिदृश्यों को भटकाने की कुचेष्ठाएं हो रही है, यह लोकतंत्र के इस महानुष्ठान को धुंधलाने का दूषित प्रयास है। चुनाव परिणामों को लेकर हो रही इन चचाओं से जहां आम मतदाता भ्रमित हो रहा है, वही देश के शेयर बाजारों में गिरावट की स्थितियां आर्थिक असंतुलन का कारण बन रही है। राजनीतिक दलों की सोची-समझी रणनीति के तहत चुनाव परिणामों की संभावनाएं व्यक्त करना, अटकले एवं कयास लगाना चुनावी परिदृश्यों को भटकाने की कोशिशें हैं, इसमें राजनीतिक विश्लेषण और उनके निष्कर्ष भी कहीं-न-कहीं ऐसा वातावरण बना रहे हैं, जिससे मतदाता को लुभाया जा सके, भटकाया जा सके या गुमराह किया जा सके।

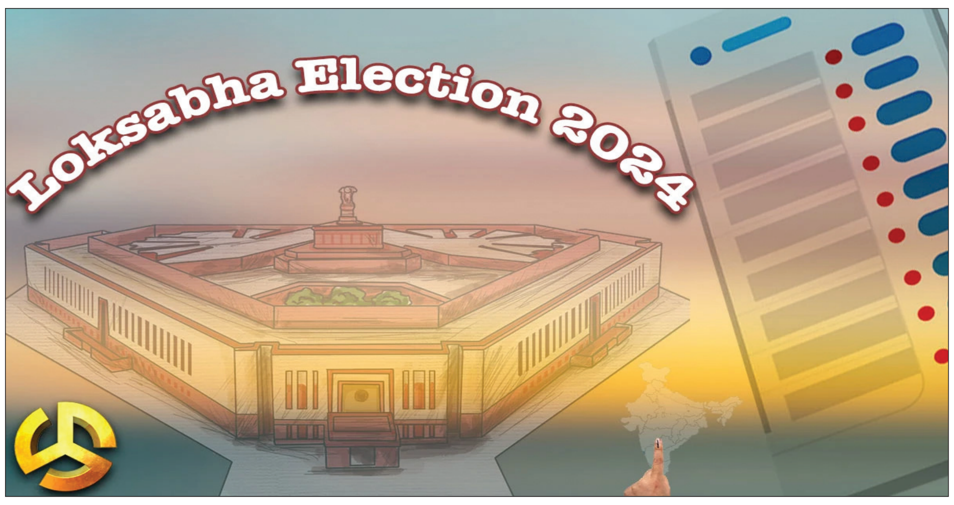

कांग्रेस हो या भाजपा और अन्य दल सभी चुनाव परिणाम की अटकलों पर ध्यान लगाये हुए हैं, वे ऐसी अतिश्योक्तिपूर्ण घोषणाएं करते हुए जीत के दावे कर रहे हैं, जिससे मतदाता द्वंद्व की स्थिति में हैं। राजनीतिक दलों ने राष्ट्र के जरूरी एवं बुनियादी मुद्दें को तवज्जों न देकर राजनीतिक अपरिपक्वता का ही परिचय दिया है। दिक्कत यह है कि सभी पार्टियां अपने दल या गठबंधन की जीत को सुनिश्चित बताते हुए इस तरह के विश्लेषण और निष्कर्ष निकाल रहे हैं जो सत्यता से दूर हैं। ऐसे निष्कर्ष अतीत में कई बार गलत साबित हो चुके हैं। 2014 में नरेंद्र मोदी की अगुआई में भाजपा को ऐसी जीत मिली, जिससे देश में तीन दशक बाद किसी पार्टी ने अपने बहुमत वाली सरकार बनाई। 2019 में पार्टी ने उससे भी बड़ी जीत हासिल की। लेकिन 2019 में भी चुनाव नतीजों से पहले शेयर बाजार लड़खड़ाते नजर आ रहे थे एवं विपक्षी दल भाजपा के हार की भविष्यवाणी कर रहे थे। 2014 में भी कई विश्लेषक उत्तरप्रदेश की कई सीटों पर मुस्लिम मतदाताओं के कथित ध्रूवीकरण का हवाला देते हुए खास तरह के चुनाव नतीजों की भविष्यवाणी कर रहे थे, जो गलत साबित हुए। ऐसी ही भविष्यवाणियां इस बार भी बढ़-चढ़ कर हो रही है, लेकिन इस बार के चुनाव परिणाम अप्रत्याशित होने वाले हैं, चौंकाने एवं चमत्कृत करने वाले होंगे।

निश्चित ही चुनाव परिणामों से जुड़ी अटकलों का शेष रहे दो चुनाव चरणों पर व्यापक प्रभाव पड़ता हैं। पहले तीन चरणों के कम मतदान को सत्तापक्ष के समर्थक मतदाताओं के उत्साह में कमी का संकेत बताया जा रहा है तो महाराष्ट्र और बिहार जैसे राज्यों में एनडीए के सहयोगी दलों की वोट ट्रांसफर करने की क्षमता पर सवाल उठाए जा रहे हैं। जहां तक वोटरों के उत्साह में कमी की बात है तो अव्वल तो चुनाव आयोग के अंतिम आंकड़ों के मुताबिक वोट प्रतिशत का अंतर काफी कम रह गया है, दूसरी बात यह कि वोट न देने वालों में किस पक्ष के समर्थक ज्यादा हैं, इसे लेकर परस्पर विरोधी दावे किए जा रहे हैं जिनकी सचाई 4 जून को ही सामने आएगी। लेकिन चुनाव परिणामों को लेकर विरोधाभासी अटकलों का असर मतदाता पर पड़ता ही है। समूचे देश की बात करें तो इस पर लगभग आम राय है कि इन चुनावों में कोई लहर नहीं है। कई चुनाव विशेषज्ञों के अनुसार 2019 के चुनाव में पुलवामा में हुई घटनाओं और उसके बाद बालाकोट में जो हुआ उसके बाद देश भर में राष्ट्रीय सुरक्षा की लहर दौड़ गई थी। इस बार सोचा गया था कि श्रीराम मन्दिर के उद्घाटन का व्यापक असर होगा, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। विकास का मुद्दा अवश्य मतदाता के दिमाग में रहा है। फिर भी अगर किसी एक नेता के पक्ष में मतदाताओं की पसंद मुखरता से सामने आ रही है तो वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ही हैं। सवाल है कि क्या यह मुखरता वोट में भी परिणत होगी? जवाब के लिए 4 जून का इंतजार करना बेहतर होगा। अनेक चुनाव विश्लेषण बताते हैं कि 1999 और 2004 में कम मतदान प्रतिशत से भाजपा को फायदा हुआ, लेकिन 2014 में अधिक मतदान से लाभ हुआ। लेकिन विश्लेषक मतदान प्रतिशत और अंतिम परिणामों के बीच स्पष्ट संबंध बताने में विफल हैं। बाजार के इस उतार चढ़ाव के बीच निवेशक लोकसभा चुनाव में कुछ चरणों के कम मतदान प्रतिशत को लेकर चिंतित हैं। वे चुनाव परिणाम के बारे में अनिश्चितता पाले हुए हैं। निवेशक ही नहीं, मतदाता एवं नेता भी भ्रंम एवं भटकाव पाले हुए है। लोकसभा चुनाव के बाद केंद्र में भाजपा विरोधी ह्यइंडियाह्न गठबंधन के सत्ता में आने पर तृणमूल कांग्रेस नई सरकार के गठन में 'बाहर से समर्थन' देगी। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की इस टिप्पणी के बाद से ही राजनीतिक हलकों में कयासों और अटकलों का दौर तेज हो गया था। सवाल उठ रहा था कि क्या उनकी इस टिप्पणी में कोई नया संकेत छिपा है? पांचवें चरण की सम्पन्नता के बाद यह साफ हो गया है कि राष्ट्रीय स्तर पर इस बार सत्तारूढ़ भाजपा की कांग्रेस समाहित विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' के साथ कांटे की लड़ाई हैं और दोनों ही पक्ष अपनी-अपनी विजय का दावा कर रहे हैं।

कम मतदान की पहेली का एक मतलब ये भी निकाला जा सकता है कि मतदाता को कोई उत्साह नहीं है, क्योंकि उसको ये लगता है कि 400 सीटों की जीत का दावा किया जा रहा है तो उसके वोट से कोई फर्क नहीं पडने वाला है। एक वजह ये भी हो सकती है कि वह परिणाम को लेकर पहले से ही आश्वस्त है, लेकिन इन दोनों वजहों में राजनीतिक कार्यकताओं का रोल है, ये मतदाता की पहचान से जुड़े मामले नहीं हैं। विपक्ष इस बात को हवा दे रहा है कि जब सत्ताधारी दल का कार्यकर्ता जनता को बूथ पर लाने में फेल होता है तो इसका मतलब है कि कुछ गड़बड़ है। कुछ जानकार कह रहे हैं कि मामला उतना सपाट नहीं है। एक तो मौसम की मार और दूसरा ये एक ऐसा राजनीतिक मैच है जिसका नतीजा पहले से पता है इसलिए ऐसे मैच में कोई उत्साह नहीं होना बहुत सामान्य है।

पांचवें चरण में हो रहा लोकसभा का यह चुनाव भाजपा के लिए 'सेफ जोन' की तरह माना जाता है। दरअसल भाजपा और एनडीए ने मिलकर पिछले लोकसभा चुनाव में पांचवें चरण की 49 सीटों पर जिस तरह से बैटिंग की थी, वह उसको सत्ता की सीढ़ी तक ले गई। जबकि 2014 में भी भाजपा ने अपने सियासी ग्राफ को इस चरण में मजबूती के साथ आगे बढ़ाया था। सियासी जानकारों का मानना है कि भाजपा ने अपने इसी मजबूत सियासी ग्राफ के मद्देनजर पूरी फील्डिंग पांचवें चरण की 49 सीटों पर लगा दी है। वहीं इंडिया गठबंधन और उसके सियासी दलों, जिसमें कांग्रेस और सपा समेत शिवसेना ने पांचवें चरण के लिए 2014 से पहले वाली रवायत को आगे बढ़ाने के लिए पूरी तैयारी की है। अब परिणाम तो भविष्य के गर्भ में हैं। बहरहाल, जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटने के बाद हुए पहले मतदान में प्रतिशत का अधिक रहना सुखद ही है।

संपादकीय

इतिहास घटित हो जाता

बंगाल में कांग्रेस के दो दिग्गजों मल्लिकार्जुन खरगे और अधीर रंजन चौधरी में ममता बनर्जी को लेकर खींची तलवारें फिलहाल म्यान में चली गई हैं। ऐसा कर पार्टी ने अपने आपको इतिहास के उस विडम्बनात्मक दोहराव से बचा लिया है। तब ऐसे ही अस्तित्वगत सवाल पर कांग्रेस की तत्कालीन 'फायरब्रांड' नेता ख्यात ममता बनर्जी ने पार्टी छोड़ दी थी। अपनी तृणमूल कांग्रेस बना ली थी और कुछ सालों बाद वह 'मां, माटी और मानुष' के नारे पर दशकों के कायम वामपंथी शासन को उखाड़ फेंका था। दूसरे नम्बर पर रही कांग्रेस इसके बाद राजनीतिक वनवास में चली गई थी, जबकि बंगाल में आजादी के बाद से दशकों तक सत्ताधारी रही थी। इसके बाद का इतिहास आज का वर्तमान है, जिस पर तृणमूल है, कांग्रेस और वामदल अस्तित्व की लड़ाई लड़ रहे हैं। इनमें कांग्रेस सत्ता के लिए कुछ अधिक ही अधीरता से प्रयासरत है। इस तर्क से कि बंगाल की सत्ता से 50 साल बाहर रहने के कारण उसके विरुद्ध सत्ता विरोधी विचार खुरच गए हैं। इस बीच आई नई पीढ़ी में उसके प्रति कोई पूर्वाग्रह नहीं है और वह आसन्न भाजपा के बजाय कांग्रेस को वरीयता दे सकती है। इसके लिए सही मोहरे चलना होगा-जनता को तृणमूल कांग्रेस की ज्यादतियों से ही भिड़ना, जो वामशासन की बुराइयों की याद दिलाती है। आम जनता को इस अवसर की प्रतीक्षा है। लोक सभा चुनाव में भले बंगाल में भाजपा को अब वरीयता मिल जाए पर विधानसभा में कांग्रेस जमीनी पार्टी के रूप में मतदाताओं की पहली पसंद हो सकती है। इसके लिए ममता के विरोधाभासों पर हमलावर होते दिखते रहना है। यह केवल अधीर की निजी नहीं बल्कि कांग्रेस-कैडर की आम राय है। इसलिए बंगाल में कांग्रेस के 'चौधरी' अधीर रंजन को ही खरगे ने जब पार्टी से बाहर जाने का विकल्प रखा तो उनकी तस्वीर काली कर दी गई। आलाकमान की राय से यह खुला विद्रोह था। अधीर केवल ममता के दोमुंहेपन का विरोध कर रहे थे। अच्छा हुआ कि आलाकमान ने खरगे से कहलवा दिया कि चौधरी बंगाल में कांग्रेस के लड़ाकू सिपाही हैं। यह उनमें ममता से कार्यशैलीगत साम्यता की स्वीकारोक्ति है। उधर, ममता ने भी 'इंडिया' के प्रति अपनी राय मेंड कर ली है। वैसे भी चुनाव के मोड को देखते हुए कोई भी राजनीतिक आगे के रास्ते के बारे में मुतमईन नहीं है। नतीजा कुछ भी हो सकता है। इसलिए चुनाव परिणाम आने तक राजनीतिक गलियारे में बहुत कुछ घटित होगा।

चिंतन-मनन

कौन बने राजा

भगवान विष्णु के वाहन गरुड़ को पक्षियों का राजा माना गया है लेकिन वे अपने स्वामी की सेवा में इतना व्यस्त रहते थे कि उन्हें पक्षियों का हालचाल जानने का समय ही नहीं मिल पाता था। एक दिन पक्षियों ने अपनी सभा बुलाई और इस बात पर विचार-विमर्श किया कि ऐसे राजा का क्या लाभ, जो कभी हमें देखने तक नहीं आता।

सभी ने काफी सोच-विचार कर उल्लू को राजा घोषित कर दिया। उल्लू के राजतिलक की तैयारी होने लगी, तभी एक कोने में बैठे कौवे ने चिल्लाते हुए कहा कि यह फैसला हमें मंजूर नहीं है। राजा गरुड़ को भले ही हमारे पास आने का समय न मिलता हो, लेकिन जब भी मौका मिलेगा वह अवश्य आएंगे। मगर उल्लू को राजा बनाने का क्या लाभ, जिसे दिन में दिखाई ही नहीं पड़ता।

वह हमारी परेशानियों को कैसे हल करेगा। वह दूसरों की बातें सुनकर फैसला करेगा जिसका परिणाम यह होगा कि चाटुकारों का बोलबाला हो जाएगा। किसी ने तर्प दिया कि उल्लू रात में देख सकते हैं इसलिए वह रात में हमारी समस्या सुलझा देंगे। कौवे ने कहा- ऐसा राजा मुझे मंजूर नहीं जो रात में आकर हमारी नींद हराम करे। फिर हम पक्षी रात में ठीक से देख नहीं पाते। हम पहचानेंगे कैसे कि उल्लू ही आया है।

इस बात का लाभ उठाकर कोई राक्षस उसकी जगह आ सकता है और हमें मारकर खा सकता है। पक्षियों ने मान लिया कि राजा ऐसा होना चाहिए, जिसे प्रजा के दुख-दर्द दिखाई तो पड़ें। अंत में गरुड़ को ही राजा बनाए रखने का फैसला किया गया।

इब्राहिम रईसी के जाने से उभरे कई सवाल

हेलिकॉप्टर हादसे में ईरान के राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी और विदेश मंत्री हुसैन अमीर अब्दुलाहियन सहित अन्य सभी लोगों की मौत हो गई। आधिकारिक घोषणा से पहले इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) की वेबसाइट से लेकर ईरानी टेलीविजन्स के एंकर और समाचार वाचकों के काले कपड़ों ने देश के लिए सबसे बड़े शोक का संकेत दे दिया था। मुख्य बात यह है कि इसके पहले ही ईरान में जिस तरह की हलचल दिख रही थी, वह स्वयं ईरान और मध्य एशिया के लिए शुभ नहीं कही जा सकती। आशंका का तत्काल कारण इजराइल-हमास के बीच चली झड़पें हैं।

इन झड़पों की वजह से यह भी कहा जा रहा है कि ईरानी राष्ट्रपति की हेलिकॉप्टर दुर्घटना दरअसल, साजिश है। ईरान अपने राष्ट्रपति की स्थिति पर कुछ बोले, उसके काफी पहले इजराइल की इस बारे में प्रतिक्रिया सिर्फ असावधानी नहीं कही जा सकती। इजराइल ने दुनिया में सबसे पहले इस पर टिप्पणी की और कहा कि हादसे में अब किसी के भी बचने की संभावना नहीं है। उधर, अमेरिकी कांग्रेस के एक सीनेटर ने तो यहां तक कह डाला कि इस हादसे में एक बड़े ह्यआतंकवादीह्न का अंत हो गया। उसका इशारा ईरानी राष्ट्रपति के न्यायिक प्रमुख के रूप में लिए गए फैसलों की तरफ रहा होगा।

इजराइल और अमेरिकी सीनेटर के बयान के निहितार्थ निकाले जाएंगे। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने अवश्य ईरान की सरकारी घोषणा के पहले सीनेट हाउस से किसी भी तरह के बयान को स्थगित रखा। यह इजराइल- हमास संघर्ष में इजराइल के साथ खड़े अमेरिका की कूटनीतिक समझदारी ही हो सकती है। हमास लड़ाकों के साथ ईरानी आईआरजीसी के रिश्तों को लेकर पहले से ही दुनिया में चर्चा रही है। इसीलिए इस युद्ध को इजराइल-ईरान संघर्ष बनने में देर नहीं लगी। अप्रैल में चली झड़पों के बीच ईरानी हमले के बाद इजराइल ने ईरान को इसकी कीमत भुगतने की चेतावनी दी थी। यही कारण है कि हिजबुल्लाह प्रमुख हसन नसरल्लाह के बेटे ने अब इस हादसे के बाद परोक्ष रूप से इजराइल को धमकी दी है। उसने कहा कि यदि यह साजिश है, तो हिजबुल्लाह दुनिया का नक्शा बदल देगा। हिजबुल्लाह एक शिया इस्लामी संगठन है और ईरान भी शिया राष्ट्र है।

स्वाभाविक तौर पर ईरान को अभी कुछ दिन इस आपदा से उबरने का वक्त चाहिए। फिलहाल इब्राहिम रईसी की जगह उपराष्ट्रपति मोहम्मद मोखबर देजफुली को उनकी जगह ईरान के राष्ट्रपति का दायित्व सौंपा गया है। ईरानी व्यवस्था के तहत 50 दिन के अंदर नए राष्ट्रपति का चुनाव कराया जाएगा। इब्राहिम रईसी की तरह मोहम्मद मोखबर देजफुली भी ईरान के सर्वोच्च नेता अली खोमोनेई के बेहद करीबी हैं। उम्मीद की जाती है कि मोहम्मद मोखबर ही अगले राष्ट्रपति हो सकते हैं। राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी को सर्वोच्च नेता अली खोमोनेई का उत्तराधिकारी माना जा रहा था। उम्र के 80 साल पार कर चुके खोमोनेई की जगह अब मोहम्मद मोखबर ले सकते हैं।

ईरान में राजनेताओं के साथ सेना और धार्मिक नेता मिलकर ही देश चलाते हैं। इस व्यवस्था के तहत राष्ट्रपति ही न्यायिक प्रमुख भी हुआ करता है। इस तरह ईरान में भावुकता भरे माहौल में एक कट्टर के बाद उसी तरह के राष्ट्रपति का चुनाव सम्भव हो सकेगा। हालांकि समस्या सिर्फ यही नहीं होगी। ईरान के अंदर उथलपुथल का असर उसकी अर्थव्यवस्था पर भी पड़ेगा। इस समय ईरान आर्थिक बदहाली में है। उसे जल्द संभलते हुए अपने तेल व्यवसाय पर भी नजर रखनी होगा। ईरान का तेल सबसे अधिक चीन को निर्यात होता रहा है। चीन और रूस इस परिदृश्य में ईरान के ही साथ हैं। फिर भी अपने लोगों को संभालते हुए दुनिया, खासकर मध्य एशिया में अपनी स्थिति ठीक रखना ईरान के लिए एक चुनौती है। राष्ट्रपति रईसी के जाने से यह चुनौती और अधिक बढ़ गई है।

- डॉ. प्रभात ओझा, लेखक, स्वतंत्र पत्रकार हैं।

अंतर्राष्ट्रीय जैव विविधता दिवसः बेहद जरूरी है संकटग्रस्त जैव प्रजातियों का संरक्षण

योगेश कुमार गोयल

जीव-जंतु तथा पेड़-पौधे भी मनुष्यों की ही भांति ही धरती के अभिन्न अंग हैं लेकिन मनुष्य ने अपने निहित स्वार्थों तथा विकास के नाम पर न केवल वन्यजीवों के प्राकृतिक आवासों को बेदर्दी से उजाड़ने में बड़ी भूमिका निभाई है बल्कि वनस्पतियों का भी तेजी से सफाया किया है। धरती पर अपना अस्तित्व बनाए रखने के लिए मनुष्य को प्रकृति प्रदत्त उन सभी चीजों का आपसी संतुलन बनाए रखने की जरूरत होती है, जो उसे प्राकृतिक रूप से मिलती हैं। इसी को पारिस्थितिकी तंत्र या इकोसिस्टम भी कहा जाता है लेकिन चिंतनीय स्थिति यह है कि धरती पर अब वन्य जीवों तथा दुर्लभ वनस्पतियों की अनेक प्रजातियों का जीवनचक्र संकट में है। वन्यजीवों की असंख्य प्रजातियां या तो लुप्त हो चुकी हैं या लुप्त होने के कगार पर हैं। पर्यावरणीय संकट के चलते जहां दुनियाभर में जीवों की अनेक प्रजातियों के लुप्त होने से वन्य जीवों की विविधता का बड़े स्तर पर सफाया हुआ है, वहीं हजारों प्रजातियों के अस्तित्व पर भी संकट के बादल मंडरा रहे हैं। यही स्थिति वनस्पतियों के मामले में भी है।

वन्य जीव-जंतु और उनकी विविधता धरती पर अरबों वर्षों से हो रहे जीवन के सतत विकास की प्रक्रिया का आधार रहे हैं। वन्य जीवन में ऐसी वनस्पति और जीव-जंतु सम्मिलित होते हैं, जिनका पालन-पोषण मनुष्यों द्वारा नहीं किया जाता। आज मानवीय क्रियाकलापों तथा अतिक्रमण के अलावा प्रदूषित वातावरण और प्रकृति के बदलते मिजाज के कारण भी दुनियाभर में जीव-जंतुओं तथा वनस्पतियों की अनेक प्रजातियों के अस्तित्व पर दुनियाभर में संकट के बादल मंडरा रहे हैं। हिन्दी अकादमी दिल्ली के सौजन्य से प्रकाशित अपनी पुस्तक ह्यप्रदूषण मुक्त सांसेंह्न में मैंने विस्तार से यह उल्लेख किया है कि विभिन्न वनस्पतियों और जीव-जंतुओं की संख्या में कमी आने से समग्र पर्यावरण किस प्रकार असंतुलित होता है। दरअसल विभिन्न वनस्पतियों और जीव-जंतुओं की संख्या में कमी आने से समग्र पर्यावरण जिस प्रकार असंतुलित हो रहा है, वह पूरी दुनिया के लिए चिंता का विषय बना है। पर्यावरण के इसी असंतुलन का परिणाम पूरी दुनिया पिछले कुछ दशकों से गंभीर पर्यावरणीय समस्याओं और प्राकृतिक आपदाओं के रूप में देख और भुगत भी रही है।

लगभग हर देश में कुछ ऐसे जीव-जंतु और पेड़-पौधे पाए जाते हैं, जो उस देश की जलवायु की विशेष पहचान होते हैं लेकिन जंगलों की अंधाधुंध कटाई तथा अन्य मानवीय गतिविधियों के चलते जीव-जंतुओं के आशियाने लगातार बड़े पैमाने पर उजड़ रहे हैं, वहीं वनस्पतियों की कई प्रजातियों का भी अस्तित्व मिट रहा है। हालांकि जीव-जंतुओं तथा पेड़-पौधों की विविधता से ही पृथ्वी का प्राकृतिक सौन्दर्य है, इसलिए भी लुप्तप्रायः पौधों और जीव-जंतुओं की अनेक प्रजातियों की उनके प्राकृतिक निवास स्थान के साथ रक्षा करना पर्यावरण संतुलन के लिए भी बेहद जरूरी है। इसीलिए पृथ्वी पर मौजूद जीव-जंतुओं तथा पेड़-पौधों के बीच संतुलन बनाए रखने के लिए तथा जैव विविधता के मुद्दों के बारे में लोगों में जागरूकता और समझ बढ़ाने के लिए प्रतिवर्ष 22 मई को अंतर्राष्ट्रीय जैव विविधता दिवस मनाया जाता है। 20 दिसम्बर 2000 को संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा प्रस्ताव पारित करके इसे मनाने की शुरूआत की गई थी। इस प्रस्ताव पर 193 देशों द्वारा हस्ताक्षर किए गए थे। दरअसल 22 मई 1992 को नैरोबी एक्ट में जैव विविधता पर अभिसमय के पाठ को स्वीकार किया गया था, इसीलिए यह दिवस मनाने के लिए 22 मई का दिन ही निर्धारित किया गया।

धरती पर पेड़-पौधों की संख्या बड़ी तेजी से घटने के कारण अनेक जानवरों और पक्षियों से उनके आशियाने छिन रहे हैं, जिससे उनका जीवन संकट में पड़ रहा है। पर्यावरण विशेषज्ञों का स्पष्ट कहना है कि यदि इस ओर जल्दी ही ध्यान नहीं दिया गया तो आने वाले समय में स्थितियां इतनी खतरनाक हो जाएंगी कि धरती से पेड़-पौधों तथा जीव-जंतुओं की अनेक प्रजातियां विलुप्त होकर सदा के इतिहास के पन्नों का हिस्सा बन जाएंगी। माना कि धरती पर मानव की बढ़ती जरूरतों और सुविधाओं की पूर्ति के लिए विकास आवश्यक है लेकिन यह हमें ही तय करना होगा कि विकास के इस दौर में पर्यावरण तथा जीव-जंतुओं के लिए खतरा उत्पन्न न हो। ह्यप्रदूषण मुक्त सांसेंह्न पुस्तक में चेतावनी देते हुए स्पष्ट रूप से कहा गया है कि यदि विकास के नाम पर वनों की बड़े पैमाने पर कटाई के साथ-साथ जीव-जंतुओं तथा पक्षियों से उनके आवास छीने जाते रहे और ये प्रजातियां धीरे-धीरे धरती से एक-एक कर लुप्त होती गई तो भविष्य में उससे उत्पन्न होने वाली भयावह समस्याओं और खतरों का सामना हमें ही करना होगा। दरअसल बढ़ती आबादी तथा जंगलों के तेजी से होते शहरीकरण ने मनुष्य को इतना स्वार्थी बना दिया है कि वह प्रकृति प्रदत्त उन साधनों के स्रोतों को भूल चुका है, जिनके बिना उसका जीवन ही असंभव है। आज अगर खेतों में कीटों को मारकर खाने वाले चिड़िया, मोर, तीतर, बटेर, कौआ, बाज, गिद्ध जैसे किसानों के हितैषी माने जाने वाले पक्षी भी तेजी से लुप्त होने के कगार हैं तो हमें आसानी से समझ लेना चाहिए कि हम भयावह खतरे की ओर आगे बढ़ रहे हैं और हमें अब समय रहते सचेत हो जाना चाहिए। जैव विविधता की समृद्धि ही धरती को रहने तथा जीवनयापन के योग्य बनाती है, इसलिए लुप्तप्रायः पौधों और जीव-जंतुओं की अनेक प्रजातियों की उनके प्राकृतिक निवास स्थान के साथ रक्षा करना पर्यावरण संतुलन के लिए भी बेहद जरूरी है।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार तथा पर्यावरण मामलों के जानकार हैं और पर्यावरण पर 'प्रदूषण मुक्त सांसे' पुस्तक लिख चुके हैं)

लीडर बनोगे या पोजीशन होल्डर?

अधिकतर लोग पोजिशन होल्डर होते हैं, जिनका ध्यान मात्र पोजिशन को बनाए रखने, अपने वेतन और मिलने वाले भत्तों पर होता है। वे अपना काम अपने विभाग, अपनी वरिष्ठता और जॉब प्रोफाइल के रूप में बताते हैं। वहीं एक लीडर किसी वस्तु, सेवा या काम को वेल्यू प्रदान करता है। उसका फोकस योगदान पर होता है।

आईआईएम कोझिकोड के निदेशक देबाशीष चटर्जी ने अपनी हालिया किताब 'द अदर 99' में लीडरशिप के जटिल मुद्दों को उठाया है। एक लीडर और एक पोजिशन होल्डर के बीच के अंतर पर यह किताब खास जोर देती है। किताब कहती है कि अधिकतर लोग पोजिशन होल्डर होते हैं, जिनका ध्यान मात्र पोजिशन को बनाए रखने, अपने वेतन और मिलने वाले भत्तों पर होता है। वे अपना काम अपने विभाग, अपनी वरिष्ठता और जॉब प्रोफाइल के रूप में बताते हैं। वहीं एक लीडर किसी वस्तु, सेवा या काम को वेल्यू प्रदान करता है। उसका फोकस योगदान पर होता है। इस भूमिका में एक नेता जीवन को वह लौटा रहा होता है, जो उसे जीवन से मिला है। अपने योगदान से वह अपने साथ के लोगों को विकसित करने और उन्हें अपना प्रकाश ढूंढ़ने के लिए प्रेरित करता है। पोजिशन होल्डर की तुलना में एक लीडर का काम स्व-सेवा के दायरे से निकल कर बड़े स्तर पर काम को प्रभावित करना होता है। अक्सर हम अपनी ऊर्जा काम की जगह काम के बारे में बोलने में खर्च करते हैं। आईबीएम के सीईओ लो गर्स्टनम ने कहा है, मैं हरेक काम को बिना बोले अंजाम देने में यकीन रखता हूं। जब काम सब कुछ कह रहा हो, तो बोलकर उसमें बाधा डालने की जरूरत क्या है? जब काम कर रहे हों, तो पूरा ध्यान काम पर ही लगाएं। जैसे, जब आप चल रहे हों, तब केवल चलें और अपने पैरों का सतह के साथ संपर्क अनुभव करें। आपको अपने पैर ऊर्जा के केंद्र प्रतीत होंगे। अन्य कार्यों में भी ऐसा करके आप अपने कामों को गति दे सकते हैं। आत्मविश्वास बढ़ाने का अच्छा तरीका निःस्वार्थ भाव से दूसरों की मदद करना है। हारवर्ड के एक शोध के अनुसार जो लोग बिना किसी लोभ के दूसरों की मदद करते हैं, उनमें ऊर्जा का स्तर अधिक होता है। दूसरों की मदद करके हम अपनी सीमाओं में विस्तार कर पाते हैं। कार्यों में गैर जरूरी और बेतरतीब कामों को नोट करके रखें। काम के दौरान गॉसिपिंग एक ऐसा ही कार्य है, जिससे काम में भी कोई मदद नहीं मिलती और मूर्खतापूर्ण बातों में समय और ऊर्जा भी व्यर्थ होते हैं। अपनी ऊर्जा को गैर-जरूरी कामों से निकाल कर जरूरी कामों में निवेश करें। कब विराम लगाना है, यह जानना भी जरूरी है। एक सीमा के बाद कार्य पर से ध्यान हटाना भी जरूरी होता है, क्योंकि हरेक चीज की अपनी रफ्तार होती है, जिस पर आपका नियंत्रण नहीं होता। आपका अतिरिक्त प्रयास उसमें गति नहीं देता। जैसे दफ्तर के लिए बस में बैठने के बाद बार-बार ड्राइवर को ऑफिस पहुंचने का निर्देश देना जरूरी नहीं होता।

पूंजी-बाजार की पकड़ देगी अच्छा रिटर्न

बीएफएसआई यानी बैंकिंग फाइनेंशियल सर्विस और इंश्योरेंस, ऐसा सेक्टर है जो गतिशील होने के साथ-साथ विविधता भरा है। यहां सीए, सीएस, आईसीडब्ल्यूए, एमबीए, एमएफआई/आईआरडीए जैसे सर्टीफिकेटधारियों की अच्छी मांग तो है ही, पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन फाइनेंशियल प्लानिंग या सीएफपी वालों को भी खासी वरीयता दी जा रही है। रिसर्च में भी अवसरों की कमी नहीं है।

बैंकिंग और वित्त क्षेत्र में आए सुधार ने इन क्षेत्रों के जानकारों की मांग बढ़ा दी है। यही नहीं, बैंकिंग कंपनियों के आउटसोर्सिंग प्रोजेक्ट्स की तेजी ने आईटी कंपनियों में भी वित्तीय समझ रखने वाले प्रोफेशनल्स की उपस्थिति को अनिवार्य बना दिया है। आईटी और एफएमसीजी की ओर रुख कर रहे छात्र एक बार फिर बीएफएसआई में कैरियर की अच्छी संभावनाएं देखने लगे हैं। बीएफएसआई क्षेत्र में मौजूद व्यापक संभावनाओं को इस बात से समझा जा सकता है कि फिलहाल देश के 40 प्रतिशत लोग ही बैंकिंग सुविधाओं का इस्तेमाल कर रहे हैं। छह लाख से अधिक गांव ऐसे हैं, जहां बैंक अभी तक नहीं पहुंचे हैं और कुल 38 प्रतिशत बैंक शाखाएं ग्रामीण क्षेत्रों में काम कर रही हैं। बैंक और वित्त मामलों के जानकार वीके सूरी के अनुसार 'इसमें दोराय नहीं कि बैंकिंग, वित्त और इंश्योरेंस सुविधाओं में हो रहे विस्तार से ग्रामीण क्षेत्र बहुत दिनों तक अछूते नहीं रहेंगे। दिनोंदिन फैल रहा इनका नेटवर्क टॉप बी-स्कूलों के प्रोफेशनल्स के साथ वित्तीय मामलों की समझ रखने वाले सामान्य कॉमर्स ग्रेजुएट्स और आईआरडीए/एएमएफआई सर्टीफिकेट कोर्स करने वालों युवाओं के लिए भी नौकरियों के अवसर उत्पन्न करेगा। बीएफएसआई एक गतिशील क्षेत्र है। यहां सभी स्तर पर रोजगार के अवसर हैं, बशर्ते आप इंडस्ट्री में आ रहे बदलावों से खुद को अपडेट रखें। एक पेड़ जितना बाहर से बड़ा और मजबूत होता है, उतनी ही उसकी जड़ें भीतर भी फैली होती हैं। इसी कारण इस क्षेत्र में पैठ बनाने के लिए फ्रेशर्स को प्रारंभ में पैसे से अधिक अनुभव और जानकारी अर्जित करने पर फोकस रखना चाहिए।

हायरिंग ट्रेंड्स

बीएफएसआई एक सदाबहार क्षेत्र है, जिनके जानकारों की मांग सभी क्षेत्रों में होती है। इस इंडस्ट्री में काम करने वालों के लिए इतने अधिक अवसरों की उपलब्धता इससे पहले कभी नहीं रही। जॉब मार्केट में भी

लचीलापन है और सभी स्तरों पर रोजगार के अवसर हैं। एक अनुमान के अनुसार इस वित्त वर्ष में बीएफएसआई में लगभग 65 हजार से अधिक नई नौकरियों के अवसर उत्पन्न होंगे।

खुद को करें तैयार

सूचना तकनीक की भूमिका बढ़ने से बैंकिंग क्षेत्र में ढांचागत परिवर्तन हो रहे हैं। ग्लोबल बैंकिंग के क्षेत्र में हो रहे विस्तार तथा इंटरनेशनल ट्रेड में बढ़ती भागीदारी इस क्षेत्र में प्रोफेशनल्स की मांग को बढ़ाएगी। रवि राव कहते हैं, 'भारतीय निर्यात यदि 15 प्रतिशत की सालाना दर से भी बढ़ता है तो विदेशी विनिमय से जुड़े कारोबार में प्रोफेशनल्स की मांग बड़े स्तर पर होगी।' क्रेडिट सेवाओं का दायरा भी लगातार मजबूत हो रहा है। विभिन्न फाइनेंशियल कंपनियां इंश्योरेंस और म्यूचुअल फंड निवेश की योजनाएं पेश कर रही हैं। ब्रोकरेज व कंसल्टिंग फर्मों में पोर्टफोलियो मैनेजरों की मांग और बढ़ेगी।

इन स्किल्स की दरकार

बीएफएसआई, आर्थिक लेन-देन और हिसाब-किताब से जुड़ा क्षेत्र है, इसी कारण यह संवेदनशील भी है। कैरियर काउंसलर के अनुसार 'निवेश सलाह देने वाली कंपनियां बाजार में तेजी से बढ़ रही हैं। इस क्षेत्र में काम करने वालों के लिए वित्त मामलों की समझ होना जरूरी है। लोगों की जरूरत को समझकर उनकी निवेश पूंजी में वृद्धि करने का गुण उम्मीदवार में अवश्य होना चाहिए। इसलिए कॉमर्स ग्रेजुएट्स या पोस्ट ग्रेजुएट्स, बैंकिंग और फाइनेंस में एमबीए, साथ ही एएमएफआई/आईआरडीए जैसा सर्टीफिकेशंस रखने वालों की खासी मांग रहती है।

वर्कप्लेस पर बोलें जरा संभलकर

सहकर्मियों और बॉस को अपना मुरीद बनाना चाहते हैं तो विषय के साथ प्रभावी बातचीत करने के गुर सीखने पर भी जोर दें। वर्कप्लेस पर आपकी बातचीत तनाव का कारण न बने, इसके लिए समय, स्थान और व्यक्ति को ध्यान रखना जरूरी होता है। प्रोफेशनल कम्युनिकेशन में 'चलता है' एटीट्यूड महंगा पड़ता है।

नितिन एक सीनियर सॉफ्टवेयर इंजीनियर हैं, उन्हें नौकरी करते हुए अभी डेढ़ साल ही बीता है। इस दौरान वे चार प्रमुख प्रोजेक्ट्स पर अलग-अलग टीमों के साथ काम कर चुके हैं। इस वर्ष उन्हें प्रमोशन भी मिली, साथ में अच्छी परफॉरमेंस के कारण कंपनी ने उन्हें बेस्ट एंप्लॉई की सूची में रखते हुए दो बड़े मॉल्स से पांच-पांच हजार की शॉपिंग के गिफ्ट वाउचर भी दिए। नितिन की इस तरक्की में उनकी तकनीकी समझ के साथ अच्छी कम्युनिकेशन स्किल्स की भी खासी भूमिका रही है। नितिन कहते हैं, 'मेरे अप्रेजल फॉर्म में सीनियर बॉस ने फीडबैक में लिखा कि मैं सीनियर्स व टीम के सदस्यों के साथ शालीनता से पेश आता हूं। नए काम के बारे में मेरी सोच सकारात्मक होती है और अच्छी कम्युनिकेशन स्किल्स के कारण मुझे दूसरे सेंटर्स पर भी क्लाइंट्स से बातचीत के लिए भेजा जा सकता है।' एस्पायर ह्यूमन कैपिटल मैनेजमेंट के ईवीपी आलोक जैन कहते हैं, 'वर्कप्लेस पर उम्मीदवार की प्रभावी बातचीत का ढंग दूसरे कर्मचारियों में उम्मीदवार की अच्छी साख बनाता है। स्किल्स से आशय है कि आप दूसरे पक्ष तक बिना किसी उलझन के अपनी बात सही रूप में पहुंचाएं। नियम है कि जैसी आपकी बात होती है, वैसी ही आपको प्रतिक्रिया मिलेगी।' पर्सनैलिटी एन्हैंसर रीता गंगवानी कहती हैं, 'वर्कप्लेस पर प्रभावी कम्युनिकेशन के दो सूत्र हैं। पहला, अपनी बात बोलने के साथ दूसरों की बात को सही ढंग से सुनें। बात को समझने के बाद ही कोई प्रतिक्रिया दें। दूसरा, बात करते समय सही स्थान और समय का ध्यान रखें। कौन सी बात सहकर्मियों के समक्ष बोलनी है, मीटिंग में किस बात को कैसे रखना है आदि। खुले में सीनियर की बात पर कैसी प्रतिक्रिया देनी है, इसे ध्यान रखना जरूरी है। सीनियर की गलत बात पर तुरंत नकारात्मक प्रतिक्रिया न दें। अपनी बात सुझावात्मक ढंग से रखें। यदि बॉस आपसे बहुत खुल कर बातचीत करते हैं तो भी आप अपनी सीमाओं में रहें।' कैरियर काउंसलर जितिन कहते हैं, 'विभाग और टीम के सदस्यों के साथ इंटर्नल तथा कस्टमर और क्लाइंट के साथ एक्सटर्नल कम्युनिकेशन दोनों ही मायने रखते हैं। आईटी, बीपीओ, रिटेल या टूरिज्म जैसे सेवा क्षेत्रों में इंग्लिश कम्युनिकेशन की एक खास भूमिका होती है। आमतौर पर तकनीकी पृष्ठभूमि से जुड़े युवा और शैक्षिक संस्थानों में कम्युनिकेशन पहलू पर महत्व नहीं देते, जो अंततः उम्मीदवार की रोजगार योग्यता को कम कर देता है। यह एक ऐसी जरूरत है, जिसकी उपेक्षा नहीं की जा सकती। सीनियर के साथ एसएमएस या ई-मेल से बात करते समय अपने लिखे हुए को अच्छी तरह अवश्य पढ़ लेना चाहिए। स्पैलिंग और ग्रामर के साथ अपनी शैली पर भी ध्यान दें।'

हर स्तर पर काम आती है कम्युनिकेशन स्किल

जॉब मार्केट में उतरते ही प्रोफेशनल व्यवहार और बातचीत का ध्यान रखना जरूरी होता है। रिज्यूम और इंटरव्यू में तो रिक्रूटर्स उम्मीदवार की कम्युनिकेशन स्किल्स को परखते ही हैं, काम के दौरान भी कम्युनिकेशन स्किल काफी मायने रखती है। रिज्यूम और इंटरव्यू के दौरान विनम्र और सकारात्मक रुख से बात करें। सीनियर स्तर पर अंग्रेजी का ज्ञान होना जरूरी है। ई-मेल से कम्युनिकेट करते समय उसकी ड्राफ्टिंग कंपनी की कार्य संस्कृति ध्यान में रखकर करें, जैसे वरिष्ठ को नाम से संबोधित कर सकते हैं या नहीं, आदरसूचक शब्दों के तौर पर वहां क्या इस्तेमाल करते हैं आदि। अक्सर फ्रेशर्स सीधे ही बात लिख देते हैं, जिससे उनमें आत्मविश्वास की कमी देखने को मिलती है। बॉस के स्वभाव को ध्यान में रखें। कर्मचारियों की लेखन क्षमता जानने के लिए कंपनियां शुरुआत में उनकी रुचियों या संस्थान को ज्वॉइन करने के उद्देश्य के संबंध में लिखित में नोट लेती हैं, जिससे उम्मीदवारों की वॉकेबुलरी, वाक्य संरचना और संक्षेप में बात प्रस्तुत करने की योग्यता का पता लगाना आसान हो जाता है। प्रोफेशनल कम्युनिकेशन में चलता है नहीं चलता।

आईपीएल के एलिमिनेटर मुकाबले में आज राजस्थान रॉयल्स का मुकाबला रॉयल चैलेंजर्स से होगा

अहमदाबाद (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) प्लेऑफ में बुधवार को राजस्थान रॉयल्स का मुकाबला रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू (आरसीबी) से होगा। इस मैच में जीत के साथ ही दोनो ही टीमें फाइनल में पहुंचने उतरेंगे। इस सत्र की शुरुआत से ही बेहतरीन प्रदर्शन कर रही राजस्थान की टीम बाद के लीग मुकाबलों में पिछड़ गयी जिससे उसकी कमजोरियां सामने आ गयी हैं। शुरुआत में वह अंक तालिका में नंबर एक पर चल रही थी पर बाद में उससे फिसल गयी। उसकी बल्लेबाजी और गेंदबाजी की धार भी कुछ धीमी पड़ी है। इस कारण उसे अंतिम लीग मैचों में हार का भी सामना करना पड़ा है। एक समय पर रॉयल्स का शीर्ष दो में रहना तय लग रहा था पर लगातार चार हार और केकेआर के खिलाफ आखिरी मैच बारिश के कारण रद्द होने से वह सनराइजर्स हैदराबाद के बाद दूसरे स्थान पर रही।

वहीं दूसरी ओर शुरुआती मैचों में हारे के बाद पिछले छह मैच से लगातार जीत रही आरसीबी का मनोबल बढ़ा हुआ है। उसके गेंदबाज और बल्लेबाज लय में हैं। बल्लेबाजी में अनुभवी विराट कोहली लगातार रन बना रहे हैं। इसके अलावा कप्तान फाफ डु प्लेसिस और बल्लेबाज रजत पाटीदार भी फार्म में हैं। गेंदबाजी की बात करें तो चेन्नई सुपरकिंग्स के खिलाफ अंतिम मैच में यश दयाल ने कमाल का प्रदर्शन करते हुए महेन्द्र सिंह धोनी का विकेट लेकर अपनी टीम को जीत दिलाने के साथ ही प्लेऑफ में पहुंचा दिया था। अब यश इसी प्रकार का प्रदर्शन इस मैच में भी बरकरार रखना चाहेंगे।

आरसीबी शुरुआत में टूर्नामेंट से बाहर होने की कगार पर थी पर इसके बाद सभी को हैरान करते हुए चौथे स्थान तक पहुंची। पहले आठ में से सात मैच हारने के बाद इस टीम ने जिस प्रकार वापसी की है। उसे चमत्कार की तरह माना जा रहा है।

राजस्थान की टीम की बल्लेबाजी जोस बटलर के इंग्लैंड लौट जाने से भी प्रभावित हुई है। ऐसे में अब रन बनाने की जिम्मेदारी कप्तान संजू सैमसन, युवा यशस्वी जायसवाल और रियान पराग पर रहेगी।

इसके अलावा टीम को टॉम होलेर कैडमोर से भी अच्छी पारी की उम्मीद होगी। टॉम यशस्वी के साथ पारी की शुरुआत करेंगे। निचले क्रम पर शिमरोन हेटमायेर की जिम्मेदारी रहेगी।

अहमदाबाद की पिच गेंदबाजों के अनुरुप रही है। ऐसे में यहां बड़े स्कोर बनाना आसान नहीं होगा। इस सत्र में यहां 12 पारियों में केवल दो बार ही 200 से रन बनो हैं। ऐसे में जिस भी टीम के गेंदबाज बेहतर प्रदर्शन करेंगे उसका जीतना तय है।

वहीं आरसीबी की ओर से विराट ने इस सत्र में 14 मैचों में सात सौ से ज्यादा रन बनाये हैं। ऐसे में अगर वह जम जाते हैं तो अपनी टीम को जीत दिला सकते है। इंग्लैंड के विल जैक्स की वापसी से आरसीबी पर शायद ही कोई प्रभाव पड़े क्योंकि उसके पास निचले क्रम में दिनेश कार्तिक जैसा बल्लेबाज है। कार्तिक ने इस सत्र में बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए आईसीसी टी20 विश्वकप के लिए भी भारतीय टीम में जगह बनायी है। राजस्थान के पास अनुभवी स्पिनर आर अश्विन, युजवेंद्र चहल और तेज गेंदबाज तेज गेंदबाज ट्रेंट बोल्ट हैं। जिन्हें खेलना आरसीबी के बल्लेबाज के लिए बेहद कठिन रहेगा। दूसरी ओर आरसीबी की गेंदबाजी की कमान तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज, यश दयाल के अलावा इस सत्र में शानदार प्रदर्शन करने वाले स्वप्निल सिंह पर रहेंगी।

टीम

राजस्थान रॉयल्स: संजू सैमसन (कप्तान), आबिद मुश्ताक, अवेश खान, ध्रुव जुरेल, डोनोवन फरेरा, जोस बटलर, कुलदीप सेन, कुणाल सिंह राठौड़, नांद्रे बर्गर, नवदीप सैनी, रविचंद्रन अश्विन, रियान पराग, संदीप शर्मा, शिमरोन हेटमायर, शुभम दुबे, रोवमैन पावेल, टॉम कोहलर-केडमोर, ट्रेंट बोल्ट, यशस्वी जायसवाल, युजवेंद्र चहल और तनुश कोटियन।

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर: फाफ डु प्लेसिस (कप्तान), ग्लेन मैक्सवेल, विराट कोहली, रजत पाटीदार, अनुज रावत, दिनेश कार्तिक, सुयश प्रभुदेसाई, विल जैक्स, महिपाल लोमरोर, कर्ण शर्मा, मनोज भंडागे, मयंक डागर, विजयकुमार विशाक, आकाश दीप, मोहम्मद सिराज, रीस टॉप्ली,हिमांशु शर्मा, राजन कुमार, कैमरन ग्रीन, अल्जारी जोसेफ, यश दयाल, टॉम कुरेन, लॉकी फर्ग्युसन, स्वप्निल सिंह, सौरव चौहान।

भारतीय जूनियर्स ने जीत के साथ किया यूरोप दौरे का आगाज

कुआलालम्पुर (एजेंसी)। एंटवर्प (बेल्जियम) - भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम ने दौरे के पहले मैच में बेल्जियम पर 2-2 (4-2) की जीत के साथ अपने यूरोप दौरे की शुरुआत की। उप-कप्तान शारदानंद तिवारी तीसरे और 27वें मिनट में अपनी टीम के लिये गोल दागे। भारतीय टीम ने खेल की शुरुआत में ही उप कप्तान शारदानंद तिवारी (3') के पेनल्टी स्ट्रोक से बढ़त बना ली। उन्होंने पहले क्वार्टर में अपनी लय बरकरार रखी और ब्रेक तक अपनी बढ़त बरकरार रखी। दूसरे क्वार्टर में शारदानंद तिवारी (27') ने एक और पेनल्टी स्ट्रोक के साथ टीम की बढ़त को दोगुना कर दिया। हाफ का अंत मेहमान टीम 2-0 से आगे थी। तीसरे क्वार्टर की शुरुआत में बेल्जियम ने पेनल्टी कॉर्नर को गोल में तब्दील कर गोल की कमी को एक तक कम कर दिया। क्वार्टर में कोई और गोल नहीं हुआ क्योंकि तीसरे क्वार्टर के अंत में स्कोर भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम के पक्ष में 2-1 हो गया। अंतिम क्वार्टर में इंडियन कोल्ट्स के पास एक गोल की बढ़त थी, लेकिन बेल्जियम ने उन्हें ज्यादा राहत नहीं दी और उन पर दबाव बनाए रखा। खेल में कुछ ही मिनट बचे थे, बेल्जियम ने एक और पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलकर बराबरी कर ली। चूंकि निर्धारित समय में कोई और गोल नहीं हुआ, इसलिए चौथा क्वार्टर 2-2 के स्कोर के साथ समाप्त हुआ और खेल शूटआउट में चला गया। गुरजोत सिंह, सौरभ आनंद कुशवाह, दिलराज सिंह और मनमीत सिंह ने पेनल्टी शूट-आउट में भारतीय टीम के लिए गोल किए, जबकि गोलकीपर प्रिंस दीप सिंह ने दो शानदार बचाव किए और पेनल्टी शूट-आउट 4-2 से जीतकर अपने यूरोप दौरे की शुरुआत की। भारतीय जूनियर पुरुष टीम अपना अगला मैच 22 मई को नीदरलैंड के ब्रेडा में बेल्जियम के खिलाफ खेलेगी।

सीए ने फ्रेसर और शॉर्ट को टी20 विश्व कप के लिए रिजर्व खिलाड़ी के तौर पर रखा

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईपीएल में दिल्ली कैपिटल्स की ओर से शानदार प्रदर्शन करने वाले आक्रामक बल्लेबाज जैक फ्रेसर मैकगुर्क और मैथ्यू शॉर्ट को क्रिकेट ऑस्ट्रेलियाई (सीए) ने एक जून से अमेरिका और वेस्टइंडीज में होने वाले टी20 विश्व कप के लिए रिजर्व खिलाड़ी के तौर पर शामिल किया है। मैकगुर्क ने आईपीएल में दिल्ली कैपिटल्स की ओर से कई अच्छी पारियां खेलीं थीं।

मैकगुर्क को टी20 विश्व कप टीम में 15 खिलाड़ियों में जगह नहीं मिली है क्योंकि ऑस्ट्रेलिया के पास पहले से ही शीर्ष तीन स्थानों के लिए डेविड वॉर्नर, ट्रेविस हेड और कप्तान मिचेल मार्श जैसे बल्लेबाज हैं। ऑलराउंडर शॉर्ट ने ऑस्ट्रेलिया के लिए पिछले 14 में से नौ टी20 मैच खेले हैं। इनमें से पांच में उन्होंने पारी की अच्छी शुरुआत करते हुए जमकर रन बनाये हैं। शॉर्ट ने पिछले दो सत्र में बिग बैश लीग भी खेली है। वहीं एक रिपोर्ट के अनुसार, 'ऑस्ट्रेलिया के मुख्य चयनकर्ता जॉर्ज बेली ने पहले कहा था कि विश्व कप में एक रिजर्व साथ लेकर जायेंगे पर अब वे शॉर्ट के साथ फ्रेसर मैकगुर्क को भी ले जा रहे हैं। ऑस्ट्रेलियाई टीम गुरुवार को विश्वकप के लिए वेस्टइंडीज रवाना होगी। उसे त्रिनिदाद में 28 और 30 मई को नामीबिया और वेस्टइंडीज के खिलाफ दो अभ्यास मैच खेलने हैं।

टी20 विश्वकप के कुछ मुकाबलों में गेंदबाज भी रहे हैं हावी

-पहले सत्र में केन्याई टीम के 6 बल्लेबाज शून्य पर हुए थे आउट

मुंबई (एजेंसी)। टी20 विश्वकप क्रिकेट अगले माह एक जून से शुरु होने जा रहा है। ऐसे में क्रिकेट प्रशंसकों को रोमांचक मुकाबले देखने को मिलेंगे। टी20 प्रारुप में वैसे तो बल्लेबाज हावी रहते हैं और जमकर चौके, छक्के लगते हैं। इसी कारण आजकल इस प्रारुप में 200 से 250 से अधिक रन बनते हुए भी दिखते हैं। वहीं कई बार ये भी देखने में आया है कि गेंदबाज भी मुकाबले में हावी रहे हैं। टी20 विश्वकप की बात करें तो अब तक के 8 सत्र में दो बार कोई टीम 50 से कम के स्?कोर पर आउट हो हुई है। मजे की बात यह है कि दोनों ही बार नीदरलैंड की टीम के साथ ऐसा हुआ है और दोनों ही बार श्रीलंका के खिलाफ मैच में वह पचास रन भी नहीं बना पायी।

2014 के टी20 विश्वकप में चिटगांव के मैच में नीदरलैंड की टीम 10.3 ओवर में 39 और 2021 के शारजाह के मैच में 10 ओवर में 44 रनों पर आउट हुई थी। दोनों ही मैचों में श्रीलंका टीम ने 10 ओवर से पहले ही लक्ष्य हासिल कर लिया था। वहीं दक्षिण अफ्रीका में 2007 के पहले टी20 विश्वकप में केन्या और न्यूजीलैंड के मैच में केन्याई टीम के 6 बल्लेबाज खाता तक नहीं खोल पाये थे। इसमें शीर्ष के 4 बल्लेबाज भी शामिल थे। इस मैच में एक समय तीन विकेट गिरने के बाद भी टीम एक भी रन नहीं बना पायी थी।

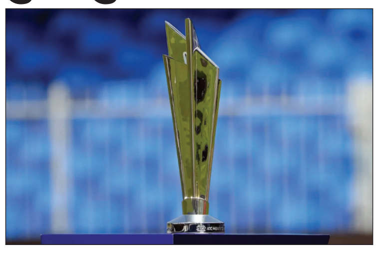

12 सितंबर 2007 में डरबन में हुए इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए केन्या के विकेट गिरने का सिलसिला शुरू हो गया था। छह बल्लेबाजों के शून्य पर आउट होने के बाद कोलिंस ओबुया, थॉमस ओबुयो, जिमी कामाडे और राजेश बुधिया ही दो अंकों तक पहुंच पाये। इस प्रकार पूरी केन्याई टीम 16.5 ओवर में 73 रनों पर ही सिमट गयी थी। न्यूजीलैंड टीम की ओर से मार्क गिलेस्पी ने सबसे अधिक 4 विकेट लिए थे जबकि शेन बॉन्ड, किस मार्टिन व कप्तान डेनियल वेटोरी ने दो-दो विकेट लिए थे। इसके बाद न्यूजीलैंड ने 74 रन का लक्ष्य केवल 7.4 ओवर में ही एक विकेट पर हासिल कर लिया था। टी20 विश्वकप 2024 में इस बार 20 टीमें हिस्सा ले रही हैं जिसमें 12 आईसीसी की फुल मेंबर टीम हैं और 8 एसोसिएट मेंबर टीम। ऐसे में दिग्गज टीमों और नई टीमों के मुकाबले में जमकर रिकॉर्ड्स बन सकते हैं। टी20 विश्वकप के केन्या-न्यूजीलैंड मैच की एक पारी में छह बल्लेबाज खाता भी नहीं खोल पाये थे। एक टी20 मैच में एक पारी में 8 बल्लेबाज शून्य पर ही पेवेलियन लौट गये थे। मैच में दोनों पारियों में मिलाकर 9 बल्लेबाज 0 पर आउट हुए थे। 2019 के कॉन्टिनेंटल कप के मैच में चेक रिपब्लिक के खिलाफ तुर्की के 8 बल्लेबाज शून्य पर ही आउट हो गये थे।

दिल्ली की अदालत ने यौन उत्पीड़न मामले में बृज भूषण के खिलाफ आरोप तय किए

नई दिल्ली - दिल्ली की एक अदालत ने मंगलवार को भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के पूर्व प्रमुख बृज भूषण शरण सिंह के खिलाफ महिला पहलवानों द्वारा दायर एक आपराधिक मामले में यौन उत्पीड़न, धमकी और महिलाओं की गरिमा को ठेस पहुंचाने के आरोप तय किए।

बृज भूषण ने अतिरिक्त मुख्य मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट (एसीएमएम) प्रियंका राजपूत के समक्ष खुद को निर्दोष बताया और सुनवाई की मांग की। बृज भूषण ने कहा, 'जब मैं दोषी नहीं हूं तो मैं दोष स्वीकार क्यों करूंगा?' अदालत ने मामले में सह आरोपी और डब्ल्यूएफआई के पूर्व सहायक सचिव विनोद तोमर के खिलाफ भी आपराधिक धमकी का आरोप तय किया। उत्तर प्रदेश के कैसरगंज से भारतीय जनता पार्टी के मौजूदा सांसद बृज भूषण को उनके खिलाफ यौन उत्पीड़न के आरोपों के बाद लोकसभा चुनाव लड़ने के लिए टिकट नहीं दिया गया था। पार्टी ने इस सीट से उनके बेटे करण भूषण सिंह को मैदान में उतारा है।

रैना को टी20 विश्वकप के लिए भारतीय टीम से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद

रायपुर। पूर्व क्रिकेटर सुरेश रैना को उम्मीद है कि भारतीय टीम एक जून से वेस्टइंडीज और अमेरिका में होने वाले आईसीसी टी20 विश्व कप में अच्छा प्रदर्शन करेगी। रैना के अनुसार भारतीय टीम को सफल होने के लिए हालात के अनुसार ढ़लने के साथ ही ड्रॉप-इन पिचों पर खेलने के लिए भी मानसिक तौर पर तैयार रहना होगा। ड्रॉप-इन को पिचे होती हैं जो किसी अन्य स्थान पर तैयार करने के बाद जिस भी मैदान पर मैच हो रहा हो बिछायी जा सकती हैं। यहां एक कार्यक्रम में पहुंचे रैना ने कहा कि भारतीय टीम संतुलित है। उसके पास रोहित शर्मा जैसा बेहतरीन कप्तान हैं। विराट कोहली पिछले कुछ समय से लगातार अच्छे फार्म में हैं। इसके अलावा आक्रामक बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव भी जमकर रन बना रहे हैं। टीम में दो बाएं हाथ के तेज गेंदबाज जा रहे हैं, जो पावरप्ले में अच्छी गेंदबाजी कर सकते हैं। वहीं भारतीय टीम के उप-कप्तान हार्दिक पंड्या के आईपीएल में खराब फॉर्म पर रैना ने कहा कि उन्होंने भारत के लिए कई बार अच्छा अच्छा प्रदर्शन किया है। अस्थाई खराब फॉर्म से वह खराब खिलाड़ी नहीं बन जाते हैं। जब वह विश्व कप में अच्छा प्रदर्शन करेंगे तो सभी इस बात को समझ जायेंगे। पंड्या के आईपीएल में खराब प्रदर्शन से उनके फार्म पर कई पूर्व क्रिकेटरों और प्रशंसकों ने सवाल उठाये हैं। उनकी कप्तानी में मुंबई इंडियंस का प्रदर्शन बेहद खराब रहा और वह अंक तालिका में अंतिम स्थान पर रही। 14 मैचों में, पंड्या 18.00 के औसत और 143.04 की स्ट्राइक रेट से केवल 216 रन ही बना पाये। इसके अलावा वह गेंदबाजी के दौरान भी 11 विकेट ही ले पाये थे।

एक समय निराश होकर खेल छोड़ने जा रहे थे स्वप्निल

बेंगलुरु (एजेंसी)। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की ओर से इस आईपीएल सत्र में अच्छा प्रदर्शन करने वाले बाएं हाथ के स्पिनर स्वप्निल सिंह एक समय खेल छोड़ने जा रहे थे। स्वप्निल पर आईपीएल की पिछली नीलामी के शुरुआती दौर में बोली नहीं लगी थी जिससे वह निराश हो गये थे। इस बार आरसीबी ने उन्हें अपनी टीम में शामिल कर खेलने का अवसर दिया जिसका स्वप्निल ने पूरा लाभ उठाया।

वह गेंदबाजी के साथ ही बल्लेबाजी में भी बेहतर प्रदर्शन करते हैं। अपने 18 साल के घरेलू क्रिकेट करियर में उन्होंने बड़ौदा और उत्तराखंड की टीमों की ओर से खेला है। आईपीएल में उन्होंने आरसीबी से पहले किंग्स इलेवन पंजाब और लखनऊ सुपरजायंट्स की ओर से खेला था।

स्वप्निल ने कहा, 'आईपीएल नीलामी के दिन मैं एक मैच के लिए धर्मशाला जा रहा था। जब मैं वहां पहुंचा तब शाम के सात-आठ बज रहे थे। तब तक कुछ नहीं हुआ था और नीलामी का अंतिम दौर चल रहा था, मुझे लगा कि मेरे लिए अवसर समाप्त हो गये हैं। उन्होंने कहा, 'मैंने सोचा था कि मैं घरेलू सत्र में खेलूंगा और अगर जरूरत पड़ी तो अगला सत्र खेलने के बाद खेल को अलविदा कह दूंगा। इसका कारण है कि मैं पूरी जिंदगी नहीं खेलना चाहता था।। स्वप्निल ने कहा, 'जीवन में अच्छा करने के लिए अन्य चीजें भी मैंने देखी थी।

प्रथम श्रेणी क्रिकेट में साल 2006 में पदार्पण करने वाले 33 साल के स्वप्निल को आरसीबी ने 20 लाख रुपए में अपने साथ जोड़ा था।स्वप्निल ने कहा कि आरसीबी के लिए चुना जाना उनके पूरे परिवार के लिए बेहद खुशी का अवसर था।

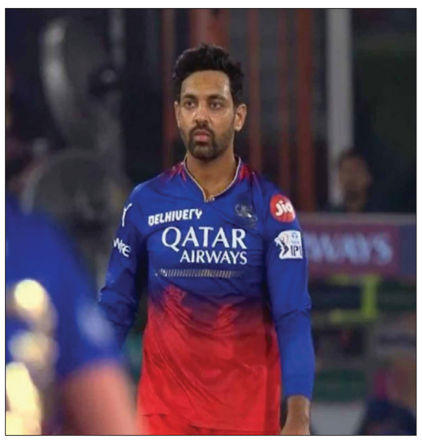

मैगनस कार्लसन नें जीता कासाब्लांका शतरंज का खिताब, विश्वनाथन आनंद को तीसरा स्थान

कासाब्लांका, मोरक्को। विश्व शतरंज संघ के 100 साल होने के उपलक्ष्य में खेले गए कासाब्लांका शतरंज का खिताब नॉर्वे के पाँच बार के विश्व चैम्पियन मैगनस कार्लसन नें जीत लिया। कार्लसन नें दूसरे और अंतिम दिन खेले गए तीन मुकाबलों में एक जीत दर्ज की और दो ड्रॉ खेलते हुए कुल छह राउंड में 4.5 अंक बनाकर पहला स्थान हासिल किया। आखिरी दिन सबसे पहले चौंथे राउंड में कार्लसन का सामना काले मोहरो से पाँच बार के विश्व चैम्पियन भारत के विश्वनाथन आनंद के साथ हुआ, सफ़ेद मोहरो से आनंद को पहले राउंड में पराजित करने वाले कार्लसन इस बार मैच में ड्रॉ का परिणाम हासिल कर पाये, हालांकि पांचवें राउंड में कार्लसन नें मिश्र के अमीन बासेम को पराजित किया और अंतिम राउंड में यूएसए के हिकारु नाकामुरा से ड्रॉ खेलते हुए खिताब हासिल कर लिया। नाकामुरा नें आनंद से ड्रॉ खेला जबकि अमीन को पराजित करते हुए 3.5 अंको के साथ दूसरा स्थान हासिल किया। वहीं पहले दिन सिर्फ 1 अंक बनाने वाले आनंद नें दूसरे दिन कर्सलन से और नाकामुरा से ड्रॉ खेला और अमीन को पराजित करते हुए अपने स्कोर में 2 अंक जोड़े और 3 अंक बनाकर तीसरे स्थान पर रहे जबकि दूसरे दिन सारे मैच हारकर अमीन 1 अंक बनाकर अंतिम स्थान पर रहे।

ब्रैंडन किंग की कप्तानी में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सीरीज में उतरेगी वेस्टइंडीज

किंग्स्टन (एजेंसी)। वेस्टइंडीज की टीम दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ होने वाली घरेलू टी20 सीरीज में ब्रैंडन किंग की कप्तानी में उतरेगी। वेस्टइंडीज ने इस सीरीज के लिए अपनी 15 सदस्यीय टीम घोषित कर दी है। ब्रैंडन को इसलिए कप्तान बनाया गया है क्योंकि टीम के स्थायी कप्तान रोवमैन पॉवेल अभी आईपीएल खेल रहे हैं। विंडीज बोर्ड के अनुसार टीम जमैका में 23-26 मई तक होने वाली 3 मैचों की सीरीज से आईसीसी पुरुष टी 20 विश्व कप के लिए अपनी तैयारी करेगी। इसमें कई बड़े दक्षिण अफ्रीकी खिलाड़ी भी उतरेंगे।

टीम के अनुभवी खिलाड़ी शाई होप और निकोलस पूरन अभी आईपीएल में व्यस्त हैं, इसलिए उन्हें टी20 विश्वकप से पहले आराम देने के लिए इस सीरीज में शामिल नहीं किया गया है। पूरन 27 मई को त्रिनिदाद में विश्व कप टीम में शामिल होंगे। वहीं अल्जारी जोसेफ और शेरफेन रदरफोर्ड की टीमें भी आईपीएल प्लेऑफ में शामिल हैं। इसलिए उन्हें भी टीम में जगह नहीं दी गयी है।

मुख्य चयनकर्ता डेसमंड हेन्स का मानना है कि दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 3 मैचों की सीरीज में शामिल खिलाड़ियों के पास अपने प्रदर्शन के आधार पर 2 जून को पापुआ न्यू गिनी के खिलाफ टी20 विश्व कप के पहले मैच के लिए टीम में जगह बनाने का अवसर है।

टीम इस प्रकार है

ब्रैंडन किंग (कप्तान), रोस्टन चेज, फैबियन एलन, एलिक अथानाज, जॉनसन चार्ल्स, आंद्रे फ्लेचर, मैथ्यू फोर्ड, जेसन होल्डर, अकील होसेन, शमर जोसेफ, काइल मेयर्स, ओबेद मैककॉय, गुडाकेश मोटी, रोमारियो शेफर्ड, हेडन वॉल्श जूनियर।

फिटनेस और फॉर्म को लेकर संशय के बीच अभ्यास के लिए रोलां गैरो पहुंचे राफेल नडाल

पेरिस - रिकॉर्ड 14 बार के फ्रेंच ओपन चैम्पियन राफेल नडाल तैयारी के लिए रोलां गैरो लौटे हैं हालांकि उनके फॉर्म और फिटनेस को लेकर संशय की स्थिति है। 37 वर्ष के नडाल अपने कोच कार्लोस मोया और दो अभ्यास जोड़ीदारों के साथ यहां पहुंचे। फ्रेंच ओपन के मुख्य स्टेडियम पर अभ्यास देखने के लिए करीब 6000 दर्शक मौजूद थे। करीब डेढ घंटे तक चले अभ्यास सत्र के बाद नडाल ने प्रशंसकों को आटोग्राफ दिए और लॉकर रूम में चले गए। फ्रेंच ओपन रविवार से शुरू हो रहा है। नडाल कूल्हे की चोट के कारण 2023 में लगभग पूरे सत्र से बाहर रहे। वह हाल ही में इटालियन ओपन के दूसरे दौर में हुबर्ट हुरकाज से हार गए थे। अभी उन्होंने बताया नहीं है कि वह फ्रेंच ओपन खेलेंगे या नहीं।

'मैं बहुत खुश होऊंगा', हरभजन सिंह ने भारतीय क्रिकेट टीम का कोच बनने की इच्छा जताई

नई दिल्ली (एजेंसी)। भविष्य में टीम इंडिया के लिए कोचिंग की भूमिका निभाने की संभावना का संकेत देते हुए पूर्व भारतीय स्पिनर हरभजन सिंह ने कहा कि अगर उन्हें मौका मिले तो वह उस खेल को कुछ वापस देना चाहेंगे जिसने उन्हें इतना शानदार करियर दिया है। उन्होंने कहा कि मेन इन ब्लू को कोचिंग देना टीम प्रबंधन के बारे में है।

हरभजन का यह बयान भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) द्वारा पुरुष राष्ट्रीय टीम के मुख्य कोच के पद के लिए आवेदन आमंत्रित करने के एक सप्ताह बाद आया है जिसका कार्यकाल इस साल 1 जुलाई से शुरू होगा और 31 दिसंबर, 2027 को समाप्त होगा जिस साल अगला 50 ओवर का क्रिकेट विश्व कप होगा।

भारतीय टीम की कोचिंग के बारे में बात करते हुए हरभजन ने कहा, 'मुझे नहीं पता कि मैं आवेदन करूंगा या नहीं। भारत को कोचिंग देना मैन मैनेजमेंट के बारे में है, खिलाड़ियों को गाड़ी चलाना और खींचना सिखाने के बारे में नहीं। वे इसे बहुत अच्छी तरह से जानते हैं। आप उन्हें कुछ मार्गदर्शन दे सकते हैं। क्रिकेट ने मुझे बहुत कुछ दिया है और अगर मुझे इसे वापस देने का मौका मिलता है, तो मैं बहुत खुश होऊंगा।'

पिछले साल नवंबर में भारत के फाइनल में पहुंचने के बाद घर पर आईसीसी क्रिकेट विश्व कप नहीं जीत पाने के बाद वर्तमान मुख्य कोच राहुल द्रविड़ को जून तक का विस्तार दिया गया था, जो कि वेस्टइंडीज और यूएसए में आईसीसी टी20 विश्व कप का आयोजन भी है। आवेदन की अंतिम तिथि 27 मई शाम 6 बजे तक होगी। बीसीसीआई के एक बयान में कहा गया, 'बीसीसीआई ने सोमवार को सीनियर पुरुष टीम के मुख्य कोच के पद के लिए आवेदन खोले हैं। इस पद के लिए आवेदन 27 मई, 2024 को शाम 6 बजे तक जमा किए जाने चाहिए।'

चयन प्रक्रिया में आवेदनों की गहन समीक्षा, उसके बाद व्यक्तिगत साक्षात्कार और शॉर्टलिस्ट किए गए उम्मीदवारों का मूल्यांकन शामिल होगा। बीसीसीआई ने संभावित मुख्य कोच के लिए योग्यताएं इस प्रकार रखी हैं- 'कम से कम 30 टेस्ट मैच या 50 वनडे खेले हों या कम से कम 2 साल के लिए पूर्ण सदस्य टेस्ट खेलने वाले देश का मुख्य कोच हो, या कम से कम 3 साल के लिए एसोसिएट सदस्य/इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) टीम या समकक्ष अंतरराष्ट्रीय लीग/प्रथम श्रेणी की टीमों/राष्ट्रीय ए टीमों का मुख्य कोच हो, या बीसीसीआई लेवल 3 प्रमाणन या समकक्ष हो और 60 वर्ष से कम आयु का हो।'

भारत को इस साल टी20 विश्व कप के ग्रुप ए में चिर-प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान, आयरलैंड, कनाडा और सह-मेजबान यूएसए के साथ रखा गया है। भारत अपना टी20 विश्व कप अभियान 5 जून को आयरलैंड के खिलाफ नासाउ काउंटी इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम, न्यूयॉर्क में शुरू करेगा। इसके बाद 9 जून को उसी स्थान पर पाकिस्तान के खिलाफ मुख्य मुकाबला होगा। भारत इसके बाद 12 और 15 जून को क्रमशः यूएसए और कनाडा से खेलेगा।

भारतीय टीम - रोहित शर्मा (कप्तान), हार्दिक पांड्या (उपकप्तान), यशस्वी जायसवाल, विराट कोहली, सूर्यकुमार यादव, ऋषभ पंत (विकेट कीपर), संजू सैमसन (विकेट कीपर), शिवम दुबे, रवींद्र जडेजा, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, युजवेंद्र चहल, अर्शदीप सिंह, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज रिजर्व-शुभमन गिल, रिंकू सिंह, खलील अहमद और अवेश खान।

भ्रष्टाचार प्रतियोगिता में

&

भ्रष्टाचार की जानकारी देने

National Rights Group Youtube Channel

krantisamay@gmail.com

9879141480

fight against corruption india

भारत में भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

मुझे दुख है कि मैंने एआई पर काम क्यों किया, इससे लोगों की नौकरियां जा रही हैं : ज्यॉफे हिंटन

न्यूयॉर्क। आर्टिफिशियल इंटेलजेंस के जनक कहे जाने वाले ज्यॉफ्रेहिंटन ने खुद अपनी ही बनाई तकनीक पर चिंता जताई और कहा कि उन्हें इस बात का दुख है कि एआई की वजह से लोगों की नौकरियां जा रही हैं। उन्होंने कहा कि जीवनभर उन्हें इस बात का अफसोस रहेगा कि उन्होंने एआई के लिए इतने समय तक काम किया। एक इंटरव्यू में उन्होंने कहा कि इसे कोई रोक नहीं सकता था। अगर मैंने ऐसा ना किया होता तो कोई और कर देता। दुख जताते हुए उन्होंने कहा कि यूनिवर्सल बेसिक इनकमा का रास्ता इस युग में कारगर हो सकता है। एआई की वजह से जॉब मार्केट में आ रहे बदलाव के दौर में मैं कहना चाहता हूं कि यूनिवर्सल बेसिक इनकम एक अच्छा रास्ता है। एआई से प्रोडक्टिविटी बढ़ेगी और खूब पैसा बढ़ेगा लेकिन इससे समाज में असमानता बढ़ज जाएगी। बहुत सारे लोगों की नौकरियां जाएंगी और दूसरी तरफबहुत सारे लोग बेहद अमीर हो जाएँगे। यह समाज के लिए बहुत बुरा होने वाला है। उन्होंने कहा कि अगले पांच से 20 साल में ही एआई एक बड़ी चुनौती बन सकता है। बता दें कि ज्यॉफ्रेहिंटन का जन्म लंदन में 6 दिसंबर 1947 कोहुआ था। उन्होंने कैंब्रिट से एक्सपेरिमेंटल साइकॉलजी में ग्रेजुएशन किया और इसके बाद आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के क्षेत्र में पीएचडी की। वह गूगल के साथ काम कर रहे थे लेकिन अब उन्होंने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। दरअसल आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की कोई सीमा नहीं है। यह ऐसी तकनीक है जो कि खुद विकसित होने की क्षमता रखती है। महान वैज्ञानिक स्टीफ्न्स हॉकिन्स ने एआई को एक बड़ा खतरा बताया था और कहा था कि इंसान का विकास एक सीमित गति से होता है। वहीं आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की कोई सीमा नहीं है। ऐसे में मानव मशीनों से पीछे हो जाएगा और यह पूरी मानवता के लिए खतरा है।

दुनिया का सबसे गहरा मेट्रो स्टेशन बना चीन में, अंदर से बाहर आने में छूट जाते हैं पसीने !

लंदन। चीन में एक बेहद गहरा मेट्रो स्टेशन है, जो चीन में सबसे गहरा स्टेशन तो है ही, साथ ही उसे दुनिया का सबसे गहरा मेट्रो स्टेशन भी माना जाता है। इन दिनों इस मेट्रो स्टेशन से जुड़ा एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें एक महिला उस स्टेशन के बाहर से अंदर जाती है और दिखाती है कि वो कितना गहरा है। जब आप इसे देखेंगे तो हैरान हो जाएंगे। इंस्टाग्राम अकाउंट पर हाल ही में एक वीडियो पोस्ट किया गया है, जिसमें एक महिला चीन के शॉन्कींग में हॉन्यानकुन मेट्रो स्टेशन के अंदर प्रवेश करती नजर आ रही है। वो बताती है कि ये चीन का सबसे गहरा सबसे स्टेशन, यानी मेट्रो स्टेशन है। कई पोर्टल्स की ओर से ये भी दावा किया गया है कि ये दुनिया का सबसे गहरा सबवे स्टेशन है।रिपोर्ट के अनुसार इस स्टेशन की गहराई 116 मीटर है। इस लिहाज से ये करीब 35 से 40 मंजिल की इमारत जितना गहरा है। जब लोग इस मेट्रो स्टेशन के अंदर लिफ्ट से जाते हैं, तो उनके कान तक बंद हो जाते हैं। इस मेट्रो स्टेशन को बनाने के दौरान मजदूरों को नीचे से ऊपर आने में 38 मिनट तक का वक्त लग जाता था। अब एस्कलेटर और लिफ्ट के जाल की बदौलत लोगों को 10 मिनट तक वक्त एंट्री और एग्जिट में लग जाता है। साल 2017 से इसका निर्माण कार्य शुरू हुआ था, जो 2022 में जाकर पूरा हुआ। ये जगह पहाड़ी इलाके में है, इस वजह से मेट्रो बनाने वाले लोगों को काफी नीचे तक खुदाई करनी पड़ी, जिससे वो मेट्रो लाइन से इसे जोड़ सकें।वायरल वीडियो में आप देख सकते हैं कि महिला को कितने सारे एस्कलेटर पार करने पड़े, तब वो स्टेशन के दूसरे तरफ के एग्जिट तक पहुंच पाई। अंदर इतने एस्कलेटर हैं और लोगों को इतना ज्यादा चलना पड़ रहा है कि शायद आप सोचें कि इससे अच्छा दूसरी जगह तक जाने के लिए टैक्सी बुक कर लेनी चाहिए थी।

श्रीलंका में सीता अम्मन मंदिर के प्राण-प्रतिष्ठा में इस्तेमाल हुआ पवित्र सरयू नदी का जल

कोलंबो। श्रीलंका में एक हिंदू मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा समारोह में अयोध्या की सरयू नदी के पवित्र जल का इस्तेमाल हुआ। इस प्राण-प्रतिष्ठा समारोह में हजारों लोग शामिल हुए। श्रीलंका के सीता एलिया गांव में सीता अम्मन मंदिर में प्राण-प्रतिष्ठा समारोह का आयोजन हुआ। भारतीय उच्चायोग ने पोस्ट में कहा कि श्रीलंका में सीता अम्मन मंदिर के कुंभाभिषेकम कार्यक्रम में हजारों भारतीय, श्रीलंकाई और नेपाली श्रद्धालु शामिल हुए। इस प्राण-प्रतिष्ठा समारोह में श्रीलंका में भारतीय उच्चायुक्त संतोष झा, आध्यात्मिक गुरु श्री श्री रविशंकर और अन्य गणमान्य व्यक्ति भी मौजूद रहे। माता सीता को समर्पित मंदिर का अभिषेक समारोह सरयू नदी के पवित्र जल से हुआ, जो भारत के अयोध्या से लाया गया था। रिपोर्ट के मुताबिक भगवान राम की जन्मभूमि माने जाने वाले अयोध्या और देवी सीता का जन्मस्थान माने जाने वाले नेपाल से सीता अम्मन मंदिर को पवित्र प्रसाद प्राप्त हुआ। भारत और श्रीलंका सहित दुनिया भर से श्रद्धालु समारोह को देखने और इसमें भाग लेने के लिए एकत्र हुए। प्राण-प्रतिष्ठा समारोह के समापन के मौके पर देवी सीता के लिए भारत और नेपाल से भेजे गए वस्त्रों के अलावा आंध्र प्रदेश के तिरुपति के प्रसिद्ध श्री वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर से भेजी गई मिठाइयां और अन्य सामग्री भेंट की गईं। श्रीलंका में बन रहे विशाल सीता अम्मन मंदिर में 19 मई को मां जानकी की प्राण प्रतिष्ठा की गई। इसके लिए श्रीलंका ने योगी सरकार से अयोध्या की पवित्र सरयू नदी का जल भेजने का अनुरोध किया था।

ईरान में 28 जून को होगा राष्ट्रपति चुनाव

तेहरान। ईरानी सरकार ने निर्णय लिया कि देश में 14वें राष्ट्रपति का चुनाव 28 जून को होगा। यह जानकारी लोकल मीडिया के द्वारा दी गई। खबर में कहा गया कि चुनाव की तारीख का निर्धारण एक बैठक में किया गया, जिसमें ईरान के प्रथम उपराष्ट्रपति मोहम्मद मोखबर, न्यायपालिका प्रमुख गुलाम हुसैन मोहसेनी-इजेई और संसद अध्यक्ष मोहम्मद बाकर कलीबाफ, कानूनी मामलों के उपाध्यक्ष मोहम्मद देहकान और ईरानी संवैधानिक परिषद और आंतरिक मंत्रालय के प्रतिनिधि शामिल हुए। ईरानी संविधान के अनुच्छेद 131 के अनुसार, अगर राष्ट्रपति अपने कर्तव्यों का पालन करने में असमर्थ हैं,तब पहला उपराष्ट्रपति उनके दायित्वों का निर्वहन करेगा। साथ ही, अंतरिम राष्ट्रपति अधिकतम 50 दिनों के भीतर नए राष्ट्रपति के चुनाव की व्यवस्था करने के लिए कर्तव्यबद्ध है। बैठक के दौरान, प्रतिभागियों ने कार्यकारी प्रतिनिधिमंडलों के गठन, उम्मीदवारों के पंजीकरण और चुनावी अभियानों के शुभारंभ सहित चुनावी प्रक्रिया के कार्यक्रमों को भी निर्धारित किया। कार्यक्रम के आधार पर पंजीकरण 30 मई से तीन जून तक होगा, जिसके बाद उम्मीदवारों को 12 से 27 जून तक चुनावी प्रचार करना होगा। आईआरएनए के अनुसार, संवैधानिक परिषद ने इस कार्यक्रम पर सहमति दी है।

राईसी के शव को गुरुवार को मशहद में दफनाया जाएगा : मंसूरी

तेहरान। ईरान के उपराष्ट्रपति मोहसिन मंसूरी ने कहा है कि राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी के पार्थिव शरीर को गुरुवार को मशहद में दफनाया जाएगा। स्थानीय मीडिया ने ईरानी उपराष्ट्रपति के हवाले से यह जानकारी दी। श्री मंसूरी ने कहा कि शोक समारोहों में भाग लेने के लिए विभिन्न प्रांतों में लोगों द्वारा लगातार अनुरोधों को ध्यान में रखते हुए, ईरानी शिक्षा मंत्रालय ने सभी छात्रों की परीक्षाओं को रद्द कर दिया है। ईरान के सर्वोच्च नेता अली खामनेई ने इस घटना पर पांच दिन के राष्ट्रीय शोक की घोषणा की। राष्ट्रपति राईसी अजरबैजान गणराज्य के राष्ट्रपति इल्हाम अलीयेव के साथ एक बांध का उद्घाटन करने के लिए रविवार सुबह पूर्वी अजरबैजान प्रांत की यात्रा पर थे। यह दुर्घटना उस समय हुई जब राष्ट्रपति रायसी वापस लौट रहे थे।

तेहरान में लोग राष्ट्रपति इब्राहित रईसी की मौत पर शौक व्यक्त करने उमड़ पड़े।

ईरानी राष्ट्रपति की मौत पर सोशल मीडिया पर चल रही कई थ्यौरी

-कुछ कह रहे इजराइल ने अंतरिक्ष आधारित लेजर से मारा

तेहरान। ईरान के राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी की हेलीकॉप्टर हादसे में मौत हो गई। इस हादसे के पीछे कथित तौर पर इजरायली साजिश को लेकर अटकलें लग रही हैं। लेकिन कई रिपोर्ट्स में इजरायली अधिकारियों ने कहा कि हादसे में उनका हाथ नहीं हैं। इजरायली खुफिया एजेंसी मोसाद हादसे के बाद से एक्स पर ट्रेंड कर रहा था। वहीं कई लोग हादसे से जुड़ी कई तरह की थ्यौरी देने की कोशिश कर रहे थे।

कुछ लोगों ने कहा कि अंतरिक्ष आधारित लेजर हथियार से ईरानी राष्ट्रपति को निशाना बनाया गया। वहीं कुछ ने इस पूरे मामले को उत्तराधिकार से जुड़ा खेल बताया, जिसमें ईरानी सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई का बेटा शामिल था। हालांकि अभी तक हादसे का कारण खराब मौसम माना जा रहा है। इसके अलावा हेलीकॉप्टर का पुराना होना भी क्रैश की वजह हो सकता है। फिर भी ईरान के कटटर दुश्मन इजरायल को संदिग्ध माना जा रहा है।

खुद को जायोनी विरोधी बताने वाले यहूदी वैज्ञानिक बेंजामिन रुबिनस्टीन ने लिखा, हम जायोनी साजिश से इंकार नहीं कर सकते, पूरी जांच से सच्चाई सामने आ जाएगी। सबसे पहले इजरायली साजिश का आरोप ईरान के एक एक्सपर्ट फोआद इजादी ने लगाया था। उन्होंने दुर्घटना में गड़बड़ी का संकेत दिया था, जिसके बाद ऑनलाइन साजिश से जुड़ी थ्योरी आने लगी। कुछ सोशल मीडिया यूजर्स ने कहा कि ईरानी राष्ट्रपति के हेलीकॉप्टर पायलट ने जानबूझकर क्रैश कर दिया था। वहीं अन्य लोगों ने सवाल उठाया कि आखिर राष्ट्रपति के काफिले में तीन हेलीकॉप्टर थे, उनमें से दो क्रैश के बाद भाग क्यों गए।

ट्रंप के वकील ने खुद पर लिया इल्जाम, अब पलट सकती है बाजी !

न्यूयॉर्क (एजेंसी)। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप एडल्ट स्टार स्टॉर्मी डेनियल्स मामले में बुरी तरह घिरे हुए हैं। ट्रंप का वकील बनने से पहले वह उनकी रियल एस्टेट कंपनी में ऊंचे ओहदे पर थे। कहा जाता है कि कोहने ट्रंप के सारे राज जानता है और उसी ने स्टॉर्मी डेनियल्स तक पैसे पहुंचाए थे। हालांकि कोर्ट में उसने कुछ ऐसे इल्जाम कबूल लिए, जिससे पूरा केस ही पलट सकता है। डोनाल्ड ट्रंप के फिक्सर रहे माइकल कोहेन ने कोर्ट को बताया कि उन्होंने 'खुद की मदद' के रूप में ट्रंप की कंपनी से पैसे चुराए थे। पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति के खिलाफ चल रहे इस मामले में कोहेन सबसे अहम गवाह है। हालांकि अब उनका यह कबूलनामा उनकी विश्वसनीयता को नुकसान पहुंचा सकती है।

कोहेन ने कहा कि उन्हें ट्रंप की कंपनी की तरफ एक तकनीकी कंपनी को 50 हजार डॉलर देने थे, लेकिन उन्होंने इसमें से 20 हजार उस कंपनी को कैश में दिए और बाकी का 30 हजार डॉलर अपने पास रख लिया। दरअसल कोहेन ने बताया कि उसने पोर्न स्टार स्टॉर्मी डेनियल को मुंह बंद करने के लिए अपनी जेब से 130,000 डॉलर दिए था। हालांकि इसके बाद उसे ट्रंप ऑर्गनाइजेशन की तरफसे बोनस के नाम पर बस एक लाख डॉलर दिए गए। ऐसे में उसने अपने बकाया पैसे इस तरह रख लिए। ट्रंप के खिलाफचल रहे इस मुकदमे में माइकल कोहेन अभियोजन पक्ष के सबसे अहम गवाह हैं, जो जूरी को यह यकीन दिलाने चाहता है कि ट्रंप ने डेनियल्स को किए गए पेमेंट को छुपाकर कानून तोड़ा है। हालांकि कोर्ट में अब कोहने का यह कबूलनामा उन्हें एक झूठे शख्स और अपराधी की तरह पेश करता है। ऐसे में जूरी को उनकी गवाही पर यकीन दिलाना अभियोजन पक्ष के लिए खासा मुश्किल माना जा रहा है। ट्रंप पर आरोप है कि उन्होंने इस पॉर्न स्टार से संबंध बनाए और फिर पैसे देकर मुंह बंद कराया। इस मामले में ट्रंप के खिलाफन्यूयॉर्क की अदालत में केस चल रहा है, जहां माइकल कोहेन ने सोमवार को बयान दर्ज कराया। कोहेन को ट्रंप का बेहद करीबी माना जाता है।

वेटिकन सिटी में सालों बाद भी पैदा नहीं हुआ एक बच्चा

-दुनिया के सबसे छोटे देश के तौर पर जाना जाता है इसे

वेटिकन सिटी (एजेंसी)। एक ऐसा देश है, जो अजीब तथ्य के लिए जाना जाता है। रोमन कैथोलिक ईसाई धर्म के सभी धार्मिक नेताओं का ये घर है और यहां पोप का शासन है। इस देश में एक भी बच्चा पैदा नहीं हुआ। इस देश का निर्माण 11 फरवरी 1929 को हुआ था।

हैरानी की बात है कि 95 साल बाद भी यहां कभी एक भी बच्चे का जन्म नहीं हुआ है। इसके पीछे जो वजह है, वो और भी ज्यादा हैरान कर देने वाली है। इस देश का नाम वेटिकन सिटी है। इसे दुनिया के सबसे छोटे देश के तौर पर जाना जाता है। ऐसा माना जाता है कि दुनिया भर के सभी कैथोलिक चर्चों और कैथोलिक ईसाइयों की जड़ें यहीं से हैं। दुनिया भर के कैथोलिक चर्च और उसके पादरियों और प्रमुख धार्मिक नेताओं को यहीं से नियंत्रित किया जाता है। ऐसा कहा जाता है कि वेटिकन सिटी में अस्पताल न खोलने का निर्णय इसके छोटे आकार और आसपास के क्षेत्र में गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सुविधाओं की निकटता के कारण लिया गया है। वेटिकन सिटी का क्षेत्रफल मात्र 118 एकड़ है।

सभी रोगियों को इलाज के लिए रोम के क्लीनिक और अस्पतालों में जाना होता है। यहां कोई भी बच्चे को जन्म नहीं दे सकता क्योंकि यहां कोई डिलीवरी रूम नहीं है। यहां प्राकृतिक प्रसव नहीं होता या होने दिया जाता है। जब यहां कोई महिला गर्भवती हो जाती है और डिलीवरी की डेट नजदीक आ जाती है तो यहां के नियमों के मुताबिक उसे बच्चे को जन्म देने तक यहां से चले जाना पड़ता है। यह नियम बहुत सख्त है। वेटिकन सिटी में 95 साल में एक भी बच्चा पैदा नहीं हुआ। इस देश के अस्तित्व में आने के बाद से यहां कोई अस्पताल नहीं बना। अस्पताल बनाने के लिए कई बार अनुरोध किया गया लेकिन हर बार इसे अस्वीकार कर दिया गया। यहां अगर कोई गंभीर रूप से बीमार है या कोई महिला गर्भवती है तो उसे रोम के अस्पताल में भेज दिया जाता है या उसके देश भेजने की व्यवस्था की जाती है। इसके कानूनी कारण भी हैं।

मौत से घिरे थे रईसी, ईरान ने मांगी मदद, पर नहीं दी, अब सफाई दे रहा है अमेरिका

वाशिंगटन। दुनिया की सबसे बड़ी महाशक्ति अमेरिका से सभी देशों को सहयोग की उम्मीद होती है। लेकिन ये उम्मीद ईरान के लिए बेमानी साबित हुई है। जब ईरानी राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी अजरबैजान के जंगलों में मौत से घिरे थे, तब ईरान ने अमेरिका से मदद की गुहार लगाई थी। मगर तब अमेरिका ने उनके हेलिकॉप्टर को खोजने से इनकार कर दिया था। हालांकि, अब अमेरिका ने केवल सफाई दे रहा है बल्कि मदद न देने के पीछे की वजह भी बता रहा है। अमेरिका ने कहा कि रईसी के हेलिकॉप्टर क्रैश के बाद ईरान की मदद कर पाने में वह लॉजिस्टिक्स कारणों (सैन्य कारण) की वजह से असमर्थ था। प्रवक्ता मैथ्यू मिलर ने रिपोर्टर्स से कहा, 'हमसे ईरानी सरकार ने सहायता मांगी थी। हमने उन्हें स्पष्ट कर दिया कि हम सहायता की पेशकश करेंगे, जैसा कि हम इस तरह की स्थिति में किसी विदेशी सरकार के अनुरोध के जवाब में करते हैं। मैं विस्तृत जानकारी नहीं दूंगा, मगर ईरानी सरकार ने हमसे सहायता मांगी थी। मगर हम सैन्य कारणों की वजह से ईरान की मदद कर पाने में असमर्थ थे।'

2025 में अंतरिक्ष में एक और विशाल विस्फोट की चेतावनी

- सूर्य में होगा भयंकर विस्फोट !

वॉशिंगटन (एजेंसी)। वैज्ञानिकों ने 2025 में एक और विशाल विस्फोट की चेतावनी दी है। हार्वर्ड के एक खगोल भौतिकीविद् ने बताया कि सूर्य अभी अपने सोलर मैक्सिमम यानी सौर अधिकतम तक नहीं पहुंचा है। सूर्य का एक चक्र 11 वर्षों का होता है और सोलर मैक्सिमम इसका सबसे ऊर्जावान बिंदु है, जिसमें अधिक आशांति सूर्य से निकलने वाली ऊर्जा को बढ़ा देती है। सोलर मैक्सिमम अंततः अगले साल गर्मी की तपिश में जुलाई 2025 तक होने की उम्मीद है। डेलीमेल की रिपोर्ट के मुताबिक डॉ. जोनाथन मैकडॉवेल ने कहा, अगले एक या दो साल में हमें बहुत बड़े तूफान देखने को मिल सकते हैं। पिछले वीकेंड पर सौर तूफान के कारण (जी5) लेवल की भू-चुंबकीय स्थितियां देखी गई थीं। सौर तूफान सूर्य पर बने एक सनस्पॉट से निकला था। 1859 में कैरिंगटन घटना को जन्म देने वाले सन स्पॉट से भी यह बड़ा था। कैरिंगटन घटना के दौरान एक शक्तिशाली सौर तूफान पृथ्वी से टकराया था। इससे टेलीग्राफ के तारों में आग लग गई थी। दुनिया भर का संचार काट दिया और यहां तक कि जहांजों के कंपास भी बाधित हो गए थे। अंतरिक्ष मौसम एक्सपर्ट्स का मानना है कि जल्द ही आने वाले बड़े सौर तूफानों का सीधा और बुरा प्रभाव हो सकता है। डॉ. मैकवेल ने कहा, सैटेलाइट ऑपरेटरों के लिए निश्चित तौर पर यह एक डरावना समय है। जिस तरह सोलर मैक्सिमम है, उसी तरह सोलर न्यूनतम भी होता है। तब गतिविधि सूर्य में काफी कम होती है। साल 2019 के सौर न्यूनतम के दौरान सूर्य की सतह पर सनस्पॉट की संख्या प्रभावी रूप से शून्य थी। यूएस नेशनल स्पेस वेदर प्रेडिक्शन सेंटर का अनुमान है कि साल 2025 में आने वाले सोलर मैक्सिमम के दौरान सन स्पॉट की संख्या 115 हो सकती है। इन सन स्पॉट से सौर ज्वालाएं और प्लाज्मा के शक्तिशाली विस्फोट निकलते हैं, जिसे कोरोनल मास इजेक्शन कहा जाता है।

इजरायली पीएम नेतन्याहू के खिलाफ बड़ी कार्रवाई, जारी हो सकता है गिरफ्तारी वारंट

तेल अवीव (एजेंसी)। अंतरराष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय (आईसीसी) इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू, हमास नेता याह्या सिनवार और मोहम्मद दीफ के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी करने की तैयारी में है। आईसीसी न्यायाधीशों का एक पैनल अब गिरफ्तारी वारंट के लिए करीम खान के आवेदन पर विचार करेगा। खान ने कहा कि सिनवार, हनियेह और अल-मसरी के खिलाफ आरोपों में हत्या, बंधक बनाना, बलात्कार और हिरासत में यौन उत्पीड़न शामिल हैं। खान ने सीएनएन को बताया, 7 अक्टूबर को दुनिया स्तब्ध रह गई जब लोगों को उनके बेडरूम से, उनके घरों से, इजरायल के विभिन्न किबुतजिम से निकाल लिया गया। उन्होंने कहा,लोगों को भारी नुकसान हुआ है।अदालत के मुख्य अभियोजक करीम खान ने बताया कि आईसीसी इजरायल पर 7 अक्टूबर के हमलों और उसके बाद गाजा में युद्ध के दौरान युद्ध अपराध और मानवता के खिलाफ अपराध के आरोप में हमास नेता याह्या सिनवार और इजरायली प्रधान मंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के लिए गिरफ्तारी वारंट की मांग कर रहा है।

खान ने बताया, नेतन्याहू और गैलेंट के खिलाफ आरोपों में विनाश करना, युद्ध के तरीके के रूप में भुखमरी पैदा करना, मानवीय राहत आपूर्ति से इनकार करना, जानबूझकर संघर्ष में नागरिकों को निशाना बनाना शामिल है। जब पिछले महीने रिपोर्टें सामने आईं कि आईसीसी मुख्य अभियोजक इस कार्रवाई पर विचार कर रहा है, तो नेतन्याहू ने कहा कि वरिष्ठ इजरायली सरकार और सैन्य अधिकारियों के खिलाफ कोई भी आईसीसी गिरफ्तारी वारंट ऐतिहासिक अनुपात का अपमान होगा और इजरायल के पास एक स्वतंत्र कानूनी प्रणाली है जो कानून के सभी उल्लंघनों की कठोरता से जांच करता है।मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक करीम खान ने कहा कि आईसीसी इजरायल के रक्षा मंत्री योव गैलेंट के साथ-साथ हमास के दो अन्य शीर्ष नेताओं अल कासिम ब्रिगेड के नेता और मोहम्मद दीफ के नाम से कुख्यात मोहम्मद दियाब इब्राहिम अल-मसरी और हमास के राजनीतिक नेता इस्माइल हानिया के लिए भी वारंट मांग रही है। इजरायली राजनेताओं के खिलाफ वारंट पहली बार है जब आईसीसी ने संयुक्त राज्य अमेरिका के किसी करीबी सहयोगी के शीर्ष नेता को निशाना बनाया है। यह निर्णय नेतन्याहू को रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की कैटेगरी में रखता है, जिनके लिए आईसीसी ने यूक्रेन पर रूस के आक्रमण पर गिरफ्तारी वारंट जारी किया था।नेतन्याहू द्वारा की गई टिप्पणियों के बारे में पूछे जाने पर खान ने कहा,कोई भी कानून से ऊपर नहीं है। उन्होंने कहा कि अगर इजरायल आईसीसी से असहमत है, तो वे अधिकार क्षेत्र पर अपनी आपत्तियों के बावजूद, अदालत के न्यायाधीशों के सामने चुनौती उठाने के लिए स्वतंत्र हैं और मैं उन्हें ऐसा करने की सलाह देता हूं। इजरायल और संयुक्त राज्य अमेरिका आईसीसी के सदस्य नहीं हैं।

खुलासा: रईसी के हेलिकॉप्टर क्रैश में खामेनेई के बेटे का हाथ?

तेहरान (एजेंसी)। ईरानी राष्ट्रपति रईसी रविवार को अजरबैजान प्रांत में एक डैम का उद्घाटन करने पहुंचे थे। यहां से वो तबरेज शहर जा रहे थे। इसी दौरान वर्जेकान शहर की पहाड़ियों में हेलिकॉप्टर क्रैश हो गया। माना जा रहा है कि खराब मौसम के कारण हेलिकॉप्टर क्रैश हुआ होगा, लेकिन जिन हालातों में ये दुर्घटना हुई, उस पर सवाल भी उठ रहे हैं। कुछ हैं जो इसके पीछे इजरायल का हाथ होने का आरोप लगा रहे हैं। तो कुछ इसके पीछे सत्ता की लड़ाई भी मान रहे हैं। वो इसलिए क्योंकि रईसी की मौत ईरान में कुछ लोगों के लिए फायदे का सौदा भी मानी जा रही है।

जिस हेलिकॉप्टर क्रैश में इब्राहिम रईसी समेत 9 लोगों की मौत हो गई, उसके पीछे का हाथ बताया जा रहा है। कई ईरानी एक्टिविस्ट ने ये सवाल उठाया है। दरअसल, अयातुल्ला अली खामेनेई 85 साल के हो चुके हैं और कैंसर से जूझ रहे हैं। अब उनके वारिस की तलाश भी शुरू हो गई है। अब तक तो इब्राहिम रईसी को उनका उत्तराधिकारी माना जा रहा था। रईसी को ईरान की इस्लामिक रिवॉल्यूशनरी गार्ड्स कॉर्प्स भी पसंद करती थी। लेकिन रईसी के जाने के बाद अब खामेनेई के बेटे मोजताबा का रास्ता लगभग साफ हो गया है। ईरानी पत्रकार मसीह अलीनेजाद ने एक्स पर लिखा कि कई कंस्पिरेसी थ्योरीज में से एक ये भी है कि इस दुर्घटना में खामेनेई के बेटे का हाथ हो सकता है, ताकि वो अपने पिता की जगह लेने का रास्ता आसान कर सके।

शुरू होगी सत्ता की लड़ाई!

रईसी की मौत के बाद अब ईरान में सत्ता की एक नई लड़ाई शुरू होने की संभावना भी जताई जा रही है। माना जा रहा है कि मोहम्मद बागेर गालीबाफ अगला राष्ट्रपति बन सकते हैं। उन्हें अच्छा-खासा समर्थन हासिल है। इतना ही नहीं, गालीबाफ के जो समर्थक हैं, वो मोजताबा को अगला सुप्रीम लीडर बनाने की वकालत भी करते हैं। ऐसे में सवाल उठता है कि क्या गालीबाफ और मोजताबा के बीच कुछ ऐसा समझौता हो सकता है, जो दोनों की महत्वाकांक्षाओं को पूरा कर सके। गालीबाफ लंबे समय से ईरान के राष्ट्रपति बनना चाहते हैं, जबकि मोजताबा की ख्वाहिश सुप्रीम लीडर बनने की है।

अगर ऐसा होता है तो इतिहास एक बार फिर दोहराया जाएगा। 1989 में रुहोल्ला खामेनेई की मौत के बाद अयातुल्ला अली खामेनेई और मौलवी अकबर हाशमी रफसंजानी के बीच एक समझौता हुआ था। इससे अयातुल्ला खामेनेई सुप्रीम लीडर बने, जबकि हाशमी रफसंजानी को राष्ट्रपति की कुर्सी मिली. उसके बाद राष्ट्रपति को ज्यादा शक्तियां देने के लिए संविधान भी बदला गया। हालांकि, कुछ सालों

बाद जब अयातुल्ला खामेनेई ज्यादा ताकतवर होते गए, तो उन्होंने अपने प्रतिद्वंद्वियों को रास्ते से हटाना शुरू कर दिया। 2017 में रफसंजानी की भी मौत हो गई। ईरान में एक तबका रफसंजानी की मौत को संदिग्ध मानता है।वैसे तो ईरान में सत्ता की असली लड़ाई खामेनेई की मौत के बाद शुरू होने की संभावना है। लेकिन रईसी की मौत को इस सत्ता संघर्ष का रिहर्सल माना जा रहा है।

सौ किमी तक आतंकियों के ठिकानों को तबाह करेगा आईआईटी कानपुर का ड्रॉन

कानपुर।

सौ किलोमीटर दूर आतंकी ठिकानों को तबाह कर देने की क्षमता रखने वाला कलाम ड्रोन कई खूबियों से लैस है। यह ड्रोन करीब 4 किलोमीटर की ऊंचाई तक उड़ान भरने की क्षमता रखता है। इसकी रफ्तार 40 मीटर प्रति सेकंड है। इसे आईआईटी कानपुर के एयरोस्पेस इंजीनियरिंग विभाग के वैज्ञानिक डॉ. सुब्रमण्यम सरडेला और उनकी टीम ने तैयार किया है। टीम ने इस ड्रोन का नाम पूर्व राष्ट्रपति और देश के बेहतरीन वैज्ञानिकों में एक डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम के नाम पर रखा गया है। तकनीकी तौर पर एपीजेके6सी100 नाम से जाना जाएगा। ड्रोन टेक्नोलॉजी में भारत को अग्रणी बनाने के लिए कानपुर के इस प्रीमियम संस्थान आईआईटी ने भी अपने स्तर पर तैयारी को शुरू कर दिया है। इस क्रम में कलाम ड्रोन का बड़ी खोज मानी जा रही है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से लैस कलाम ड्रोन 100 किलोमीटर दूर दुश्मन को तबाह कर देने की ताकत रखता है। इसकी खासियतों ने ड्रोन को चर्चा में ला दिया है। कलाम ड्रोन किसी भी दूरदराज या संवेदनशील ठिकानों को नष्ट करने में सक्षम होगा। इस ड्रोन की रफ्तार 40 मीटर प्रति सेकंड है। यह ड्रोन 6 किलोग्राम वजनी वॉरहेड को ढोने में सक्षम है। आसमान में यह चार किलोमीटर तक की ऊंचाई पर उड़ान भरने में सक्षम है। एआई तकनीक आधारित कलाम ड्रोन का अधिकतम टेक ऑफ वजह 20.5 किलोग्राम है। डिफेंस कॉरिडोर के तहत इस ड्रोन को विकसित करने के लिए बजट का निर्धारण किया गया है।

कलाम ड्रोन की लंबाई केवल दो मीटर है। इसे कैनिस्टर या कैटापॉल्ट से लॉन्च कर सकते हैं। जल्द ही इस ड्रोन को वॉरहेड के साथ टेस्ट किया जाएगा। डॉक्टर सरडेला के मुताबिक यह ड्रोन बैट्री से चलता है। ऑफिशियल इंटेलिजेंस आधारित तकनीक पर काम करता है। यह ड्रोन 100 किलोमीटर दूर तक आतंकी ठिकानों को तबाह कर सकता है। कलाम निर्धारित लक्ष्य सिर्फ 2 मीटर ही भटक सकता है। कलाम ड्रोन रात में ही भी उड़ान भरने में सक्षम है। रिमोट से इसे कंट्रोल किया जा सकता है। अगर दुश्मन इसका जीपीएस ब्लॉक कर दे तब यह एआई की मदद से खुद फैसला लेकर निर्धारित ठिकाने को तबाह करने में सक्षम है। कानपुर में रक्षा के क्षेत्र में भारत को आत्मनिर्भर बनाने के लिए वैज्ञानिक और इनक्यूबेटर की टीम नए-नए इनोवेशन कर तकनीक और प्रोडक्ट विकसित कर रहे हैं। ड्रोन के क्षेत्र में आईआईटी के वैज्ञानिक बेहतरीन इनोवेशन को जमीन पर उतार रहे हैं। इसी क्रम में डॉ. सरडेला की टीम ने विकसित किया है। इसकी रिसर्च के लिए डिफेंस कॉरिडोर के तहत बजत मिला था। यह ड्रोन अपने साथ 6 किलो वजन तक के विस्फोटक लेकर मिशन पर जा सकता है।

संक्षिप्त समाचार

ओपन जेल को एरिया को कम नहीं करे सरकार:- सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली । सुप्रीम कोर्ट ने देश में जो ओपन जेल चलाई जा रहे हैं। उनको और उनके क्षेत्र को कम नहीं करने के निर्देश केंद्रीय सरकार को जारी किए हैं। सुप्रीम कोर्ट ने अपने निर्देश में कहा है, आधी खुली या पूर्ण रूप से खुली जेल कैदियों के लिए आजीविका कमाने के लिए और शाम को जेल वापस लौटने की अनुमति देती हैं। इससे कैदियों का मनोवैज्ञानिक दबाव कम होता है। जयपुर में सांगानेर ओपन एयर कैंप का क्षेत्र कम करने के विरोध में, सुप्रीम कोर्ट में यह याचिका दायर की गई है। इसकी सुनवाई करने के बाद सुप्रीम कोर्ट ने राजस्थान,महाराष्ट्र,केरल और पश्चिम बंगाल सरकार को निर्देश जारी किया है। वह खुले सुधार संसाधनों की स्थापना उनके विस्तार प्रबंधन इत्यादि के लिए लागू नियम, दिशा निर्देश, सुप्रीम कोर्ट के साथ साझा करें। इस मामले की अगली सुनवाई जुलाई के दूसरे सप्ताह में की जाएगी।

शिवसेना यूबीटी के पोलिंग बूथ एजेंट की मौत.....शौचालय में मिला शव

मुंबई । महाराष्ट्र के मुंबई के वर्ली इलाके में हैरान करने वाला मामला सामने आया है। यहां एक पोलिंग बूथ के शौचालय में पोलिंग एजेंट मृत मिला है। मृतक पोलिंग एजेंट की पहचान मनोहर नलगे के तौर पर हुई है। मनोहर नलगे (62) शिवसेना यूबीटी के पोलिंब बूथ एजेंट थे। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। बता दें कि वर्षों से ही नलगे शिवसेना के साथ थे। वे लंबे समय से पार्टी के पोलिंग एजेंट थे। सोमवार को लोकसभा चुनाव के पांचवे चरण के दौरान भी वे ड्यूटी पर थे। पुलिस के अनुसार वॉशरूम जाने से पहले उन्हें बेचैनी और असहजता महसूस हो रही थी। पुलिस के मुताबिक अभी पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट का इंतजार हो रहा है, जिसके बाद मौत के सही कारणों का पता चलेगा। शिवसेना यूबीती कार्यकर्ताओं ने आरोप लगाया है कि चुनाव आयोग ने मतदान केंद्रों पर उचित व्यवस्थाएं नहीं की थी।

मोबाइल का डेटा रिट्रीव करने में जुटी दिल्ली पुलिस

विभव को मुंबई लेकर जा रही

नई दिल्ली । आम आदमी पार्टी की राज्यसभा सांसद स्वाति मालीवाल से मारपीट मामले में आरोपी विभव की गिरफ्तार के बाद दिल्ली पुलिस हर लिंक को जोड़ने में जुटी है। अब दिल्ली पुलिस विभव को मंगलवार को ही मुंबई ले जा रही है। दिल्ली पुलिस मामले में विभव के मोबाइल डेटा को रिट्रीव करने में जुटी है, क्योंकि पुलिस को उम्मीद है कि मोबाइल का डेटा मिलने के बाद मामले में बड़ी सफलता मिल सकती है। विभव ने पुलिस को बताया कि अपना फोन मुंबई में फॉर्मेट कर दिया है। स्वाति से केजरीवाल के आवास में हुई मारपीट मामले में जांच के लिए दिल्ली पुलिस ने विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन कर दिया है। मामले में उत्तरी जिले की एडिशनल डीसीपी अंजिता चिपियला ही एसआईटी का नेतृत्व करेंगी।

सूरत से साइकिल पर तीर्थ यात्रा के लिए निकले 71 साल के वृद्ध की गुना में मौत

गुना । गुजरात के सूरत से साइकिल पर तीर्थ यात्रा के लिए निकले, 71 साल के वृद्ध महेंद्र सिंह परमार की गुना के पास मौत हो गई है। वह सूरत से 12 ज्योतिर्लिंग के दर्शन करने के लिए साइकिल पर निकले थे। सोमवार की सुबह उन्हें रास्ते में गिरा हुआ पाया गया। मृत अवस्था में उन्हें अस्पताल ले जाया गया। जिला अस्पताल में पोस्टमार्टम किया गया। महेंद्र सिंह परमार गुजरात के भावनगर के रहने वाले थे। सूरत में वह बॉटलिंग प्लांट में नौकरी कर रहे थे। हार्ट अटैक से उनके रास्ते में मौत हो गई। सूरत में उनके परिवार वालों को पुलिस ने खबर की है।

बचपन से जवानी तक आरएसएस में रहा फिर जज बना

कोलकाता । कोलकाता हाईकोर्ट से रिटायर्ड जज चितरंजन दास ने फेयरवेल मे कहा, वह बचपन से लेकर जवानी तक आरएसएस में रहे। उसके बाद वकालत शुरू की। उनके व्यक्तित्व साहस और देशभक्ति पैदा करने का काम आरएसएस ने किया है। जज बनने के बाद उन्होंने आरएसएस से अपना नाता नहीं रखा। जज का काम निष्पक्षता के साथ करता रहा। सेवानिवृत्ति के बाद एक बार फिर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से जुड़कर काम करने के लिए तैयार हूं। उन्होंने यह भी कहा कि उन्होंने अपने केरियर के लिए कभी संघ का इस्तेमाल नहीं किया।

कोर्ट में बृजभूषण सिंह.....कोई सवाल ही नहीं है, गलती की नहीं तब मानें क्यों

नई दिल्ली ।

महिला पहलवानों से यौन शोषण मामले में दिल्ली की कोर्ट में सुनवाई हुई। सुनवाई के दौरान कुश्ती महासंघ के पूर्व अध्यक्ष व बीजेपी सांसद बृजभूषण सिंह कोर्ट में पेश हुए। सुनवाई के दौरान सरकारी वकील ने पूछा कि वह मुकदमे का दावा कर रहे हैं या गलती स्वीकार कर रहे हैं? इस पर बृजभूषण सिंह के वकील ने कहा कि मुकदमे का दावा कर रहे हैं।

इसके बाद सुनवाई के दौरान कोर्ट ने बृजभूषण सिंह से पूछा कि क्या आप गलती मानते हैं? इस पर बृजभूषण ने कहा कि कोई सवाल ही नहीं है, गलती की नहीं तब मानें क्यों। वहीं मामले में अन्य आरोपी और कुश्ती संघ के पूर्व सहायक सचिव विनोद तोमर ने भी आरोपों से इंकार कर खुद को बेकसूर बताया है। उन्होंने कहा कि ये सबकुछ झूठ है। हमारे पास पूरे सबूत हैं। घर पर कभी नहीं बुलाया, डांटा-धमकाया भी नहीं है। कोर्ट ने मामले को लंबे समय तक खींचने से इंकार कर कहा कि सुप्रीम कोर्ट का आदेश है कि एमपी-एमएलए मामलों में लंबी तारीखें न दी जाए। जज ने कहा कि मेरी कोर्ट में अधिकतम 10 से 15 तारीखें जाती हैं। हम 10 दिन से अधिक की तारीख नहीं दे सकते। इसके बाद कोर्ट ने मामले की अगली सुनवाई 1 जून दोपहर 2 बजे तय की है। बता दें कि दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ महिला पहलवान यौन शोषण मामले में पहले ही आरोप तय करने के आदेश दे दिए थे।

शाह का केजरीवाल पर हमला......उनके जैसा बेशर्म व्यक्ति मैंने कभी नहीं देखा

जिन्हें भष्ट्राचारी बताते, आज उन्हीं के साथ खड़े

नई दिल्ली ।

लोकसभा चुनाव प्रचार के दौरान केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने स्वाति मालीवाल मारपीट मामले को लेकर दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पर निशाना साधकर कहा कि जिस मुख्यमंत्री के आवास पर एक महिला सांसद को पीटा जाता है, वह महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित नहीं कर सकते। उन्होंने भ्रष्टाचार को लेकर आप प्रमुख पर निशाना साधकर कहा कि वह उन्हीं नेताओं के गठबंधन में शामिल हुए हैं जिन्हें उन्होंने पहले भ्रष्ट करार दिया था। शाह ने केजरीवाल को बेशर्म व्यक्ति बताकर कहा कि जेल भेजे जाने के बावजूद उन्होंने सीएम पद से इस्तीफा नहीं दिया।उन्होंने कहा, मैंने केजरीवाल जैसा बेशर्म व्यक्ति कभी नहीं देखा। भ्रष्टाचार के कारण इस्तीफा देने के बाद लालूजी (पूर्व बिहार सीएम लालू प्रसाद यादव) जेल गए। जयललिता (तमिलनाडु की पूर्व सीएम जयललिता) इस्तीफा देने के बाद जेल गईं और अन्य मंत्री भी इस्तीफा देने के बाद जेल गए। वह इकलौते नेता हैं जो जेल गए लेकिन मुख्यमंत्री का पद नहीं छोड़ा। शाह ने कहा कि जिस मुख्यमंत्री के आवास पर एक महिला सांसद की पिटाई की जाती है, वह महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित नहीं कर सकता। उन्होंने कहा केजरीवाल ऑड डे पर भ्रष्ट लोगों की एक लंबी सूची के साथ भाषण देते हैं और ईवन डे पर उन्हीं भ्रष्ट लोगों के साथ गठबंधन बनाते हैं। केजरीवाल, जो खुद को अत्यंत ईमानदार व्यक्ति कहते हैं, अत्यधिक बेईमानी के रास्ते पर चल रहे हैं।

क्या हैं 'उद्धव' परियोजना....जिसके तहत महाभारत के युद्ध के बारे में जानकारी ले रही सेना

नई दिल्ली ।

भारतीय सेना प्रमुख जनरल मनोज पांडे ने बताया कि भारतीय सेना 'उद्धव' परियोजना के तहत महाभारत के युद्ध, प्रतिष्ठित सैन्य हस्तियों के वीरतापूर्ण कारनामों और शासन कला में भारत की समृद्ध विरासत के संबंध में खोज कर रही है। 'उद्धव' परियोजना का उद्देश्य देश के रक्षा क्षेत्र को ताकतवार करना है। जनरल पांडे ने बताया कि उद्धव परियोजना का उद्घाटन पिछले साल किया गया था। इसके तहत वेदों, पुराणों, उपनिषदों और अर्थशास्त्र जैसे प्राचीन ग्रंथों की गहराई से पड़ताल हो रही है। सेना प्रमुख ने बताया कि इस परियोजना का उद्देश्य आधुनिक सुरक्षा चुनौतियों से निपटने के लिए एक अद्वितीय और समग्र दृष्टिकोण तैयार करते हुए समकालीन सैन्य प्रथाओं के साथ प्राचीन ज्ञान का इस्तेमाल करना है। यह भारतीय सेना की ऐसी पहल है, जिसका लक्ष्य सदियों पुराने ज्ञान को समकालीन सैन्य शिक्षाशास्त्र के साथ एकीकृत करना है। सेना प्रमुख ने कहा, 'इस परियोजना में वेदों, पुराणों, उपनिषदों और अर्थशास्त्र जैसे प्राचीन ग्रंथों का गहराई से अध्ययन किया गया है, जो परस्पर जुड़ाव, धार्मिक सोच और नैतिक मूल्यों पर आधारित हैं। इसमें महाभारत के युद्ध, मौर्य, गुप्त और मराठा के शासनकाल के समय की सेना कला का अध्ययन किया है जिसने भारत की समृद्ध सैन्य विरासत को आकार दिया है। सेना प्रमुख ने कहा कि इस परियोजना ने भारत की जनजातीय परंपराओं, मराठा नौसैन्य विरासत और सैन्य हस्तियों, विशेषकर महिलाओं के वीरतापूर्ण कारनामों को उजागर कर नए क्षेत्रों में खोज को प्रोत्साहित किया है। गौरतलब है कि चाणक्य द्वारा लिखित अर्थशास्त्र में युद्ध कला, शासन व्यवस्था और राजनीति सहित कई गूढ़ विषयों पर विचार प्रकट किए गए हैं।

हेमंत को नहीं मिली राहत, सुप्रीम कोर्ट कल फिर होगी जमानत पर सुनवाई

नई दिल्ली।

सुप्रीम कोर्ट ने झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के वकील से पूछा कि क्या ट्रायल कोर्ट द्वारा उनके खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग मामले में दायर अभियोजन शिकायत पर संज्ञान लेने के बाद उनकी गिरफ्तारी को चुनौती दी जा सकती है। हेमंत सोरेन के वकील ने कोर्ट के सवाल का जवाब देने के लिए कल तक का समय मांगा है। इसके साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने 22 मई के लिए सुनवाई फिर से सूचीबद्ध कर दी, लेकिन हेमंत को इस दौरान कोई राहत प्रदान नहीं की गई है। सुप्रीम कोर्ट के न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता और न्यायमूर्ति सतीश चंद्र शर्मा की पीठ ने मामले को बुधवार के लिए आगे की सुनवाई में रखते हुए सूचीबद्ध कर दिया है। कोर्ट ने हेमंत सोरेन के वकील से यह बताने को कहा कि जब नियमित जमानत के लिए उनकी याचिका खारिज कर दी गई है तो उनके लोकसभा चुनाव प्रचार के लिए अंतरिम जमानत कैसे दी जा सकती है? कोर्ट ने जमानत के लिए अगली सुनवाई बुधवार 22 मई को तय की है। गौरतलब है कि सोरेन की तरफ से अदालत में पैरवी कर रहे वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल और अरुणाभ चौधरी ने अदालत के सवालों का जवाब देने के लिए बुधवार तक का समय मांगा था। वहीं दूसरी तरफ ईडी की ओर से मौजूद अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल एसवी राजू ने सोरेन की अंतरिम जमानत याचिका का विरोध किया और तर्क दिया कि उनका मामला दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल से हटकर है, जिन्हें आम चुनाव में प्रचार के लिए 10 मई को अंतरिम जमानत दी गई थी।

क्या हैं 'उद्धव' परियोजना....जिसके तहत महाभारत के युद्ध के बारे में जानकारी ले रही सेना

नई दिल्ली ।

भारतीय सेना प्रमुख जनरल मनोज पांडे ने बताया कि भारतीय सेना 'उद्धव' परियोजना के तहत महाभारत के युद्ध, प्रतिष्ठित सैन्य हस्तियों के वीरतापूर्ण कारनामों और शासन कला में भारत की समृद्ध विरासत के संबंध में खोज कर रही है। 'उद्धव' परियोजना का उद्देश्य देश के रक्षा क्षेत्र को ताकतवार करना है। जनरल पांडे ने बताया कि उद्धव परियोजना का उद्घाटन पिछले साल किया गया था। इसके तहत वेदों, पुराणों, उपनिषदों और अर्थशास्त्र जैसे प्राचीन ग्रंथों की गहराई से पड़ताल हो रही है।सेना प्रमुख ने बताया कि इस परियोजना का उद्देश्य आधुनिक सुरक्षा चुनौतियों से निपटने के लिए एक अद्वितीय और समग्र दृष्टिकोण तैयार करते हुए समकालीन सैन्य प्रथाओं के साथ प्राचीन ज्ञान का इस्तेमाल करना है। यह भारतीय सेना की ऐसी पहल है, जिसका लक्ष्य सदियों पुराने ज्ञान को समकालीन सैन्य शिक्षाशास्त्र के साथ एकीकृत करना है। सेना प्रमुख ने कहा, 'इस परियोजना में वेदों, पुराणों, उपनिषदों और अर्थशास्त्र जैसे प्राचीन ग्रंथों का गहराई से अध्ययन किया गया है, जो परस्पर जुड़ाव, धार्मिक सोच और नैतिक मूल्यों पर आधारित हैं। इसमें महाभारत के युद्ध, मौर्य, गुप्त और मराठा के शासनकाल के समय की सेना कला का अध्ययन किया है जिसने भारत की समृद्ध सैन्य विरासत को आकार दिया है। सेना प्रमुख ने कहा कि इस परियोजना ने भारत की जनजातीय परंपराओं, मराठा नौसैन्य विरासत और सैन्य हस्तियों, विशेषकर महिलाओं के वीरतापूर्ण कारनामों को उजागर कर नए क्षेत्रों में खोज को प्रोत्साहित किया है। गौरतलब है कि चाणक्य द्वारा लिखित अर्थशास्त्र में युद्ध कला, शासन व्यवस्था और राजनीति सहित कई गूढ़ विषयों पर विचार प्रकट किए गए हैं।

प्रियंका गांधी ने खोली भाजपा की पोल,पीएम मोदी पर भी साधा निशाना

लखनऊ।

कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने कहा कि मोदी जी दो चुनाव धर्म की बात करके जीत गए। आज ये चुनाव है, जिसमें जनता जागरूक हो रही है। जनता ये समझ रही है कि हमें जो दिखाया जा रहा है, वो सच्चाई है ही नहीं। सच्चाई तो हमारे जीवन में है। सच्चाई तो वो मजदूर हैं, जिसे काम नहीं मिल रहा है। सच्चाई तो वो महिला है, जो दुकान जाती है और कुछ खरीद नहीं पाती। सच्चाई तो वो किसान हैं, जो कमा नहीं पा रहा है। सच्चाई तो वो मां-बाप हैं, जो अपने बच्चे को पढ़ाने के लिए सब कुछ कर रहे हैं, लेकिन उनके बच्चे को नौकरी नहीं मिल रही। प्रियंका का कहना है कि भाजपा की कथनी और करनी को जनता समझ गई है। प्रियंका गांधी ने कहा कि हम एक सच्चाई अपने जीवन में देख रहे हैं, दूसरी सच्चाई टीवी पर देख रहे हैं। चमकते हुए पीएम, बड़े-बड़े मंचों पर बड़े-बड़े सेठों के साथ, बड़े-बड़े मंत्रियों के साथ, प्रधानमंत्रियों के साथ और उसको बताया जा रहा है कि विकास हो रहा है। देश तेजी से आगे बढ़ रहा है, जो सत्तर साल में नहीं हुआ वो इन दस सालों में हुआ, लेकिन अपने जीवन में तो नहीं दिख रहा है। प्रियंका गांधी ने कहा कि जनता अब जागरूक हो रही है। जनता अब कह रही है कि कुछ गड़बड़ है, क्योंकि उनके जीवन में कोई बदलाव नहीं नजर आ रहा है। जनता कह रही है कि ये चुनाव हमें उन मुद्दों पर नहीं लड़ाना ये चुनाव हमें अपने मुद्दों पर लड़ाना है। उन्होंने आगे कहा कि हम चाहते हैं कि बीजेपी बेरोजगारी की बात करे।

हम चाहते हैं कि बीजेपी महंगाई की बात करें। हम चाहते हैं कि बीजेपी बताए, वो हमारे लिए क्या करेगी? प्रियंका ने कहा कि कांग्रेस पार्टी चुनाव की शुरुआत से जनता को बता रही है कि वह कौन-कौन सी स्कीम जनता के लिए लाई है। हमारी गारंटी क्या है, हम जनता को बता रहे हैं। हम एक लाख रुपये सालाना महिलाओं को देंगे। हम अपनी सारी गारंटी जनता को बता दिए हैं। हम कहते हैं कि जनता की बेरोजगारी, महंगाई कम करने के लिए पूरी कोशिश करेंगे और किस तरह से करेंगे ये भी बताते हैं। जनता सुन रही है कि उनकी बात भी कोई कर रहा है। कांग्रेस महासचिव से जब सवाल किया गया कि आखिर क्या कारण है कि 2014 के आम चुनाव में कांग्रेस को 44 सीटें आती हैं। 2019 के चुनाव में 52 सीटें आती हैं और अभी भी पोल एनालिसिस कह रहे हैं कि बीजेपी ये चुनाव भी जीतेगी।

मोदी और बीजेपी तो कह रहे हैं कि 400 पार, इस पर प्रियंका गांधी ने कहा कि जनता ये समझ रही है कि हमें जो दिखाया जा रहा है, वो सच्चाई नहीं है। मोदी जी की प्रोपेगैंडा मशीनरी और मीडिया मशीनरी मेरे ख्याल से दुनिया में अव्वल होगी।

ममता के खिलाफ अमर्यादित' टिप्पणी....बीजेपी प्रत्याशी और पूर्व न्यायाधीश गंगोपाध्याय के प्रचार पर रोक

मंगलवार शाम 5 बजे से बुधवार शाम 5 बजे तक

कोलकाता । लोकसभा चुनाव 2024 के पांच चरण खत्म हो चुके है। अब छठें चरण का चुनाव है। इस बीच मंगलवार को भारत के चुनाव आयोग (ईसीआई) ने भाजपा के तमलुक लोकसभा उम्मीदवार और कलकत्ता हाईकोर्ट के पूर्व न्यायाधीश अभिजीत गंगोपाध्याय के प्रचार पर प्रतिबंध लगा दिया है। गंगोपाध्याय ने बंगाल की मुख्यमंत्री और तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) प्रमुख ममता बनर्जी के खिलाफ उनकी 'अमर्यादित' टिप्पणी के लिए 24 घंटे के लिए प्रचार करने से रोक दिया। गंगोपाध्याय पर यह प्रतिबंध मंगलवार शाम 5 बजे से प्रभावी होकर अगले 24 घंटों तक रहेगा।

17 मई को, टीएमसी ने हल्दिया में रैली में ममता के खिलाफ कथित 'सेक्सिस्ट' टिप्पणी के लिए गंगोपाध्याय के खिलाफ आयोग में शिकायत दर्ज कराई। बाद में, आयोग ने गंगोपाध्याय को कारण बताओ नोटिस जारी कर कहा कि टिप्पणियां 'अनुचित, अविवेकपूर्ण और अशोभनीय' थीं।

चुनाव आयोग ने 20 मई शाम 5 बजे तक नोटिस का जवाब मांगा था। सोमवार को गंगोपाध्याय ने कारण बताओ नोटिस पर अपना जवाब भेजा।

21 मई को आदेश में, चुनाव आयोग ने कहा कि उसने बयान का अध्ययन किया है और वह 'आश्वस्त' है कि उन्होंने निम्न-स्तरीय व्यक्तिगत हमला किया है। आयोग ने कहा, 'महिलाओं को पहले के समय में और वर्तमान में भारतीय समाज में सर्वोच्च सम्मान मिला है। आयोग ने कहा कि गंगोपाध्याय द्वारा दिया गया बयान पूरी तरह से निंदनीय था। चुनाव आयोग के आदेश में कहा गया है कि पूर्व न्यायाधीश के शब्दों ने 'पश्चिम बंगाल राज्य को नुकसान और बदनामी पहुंचाई है, जहां महिलाओं के सम्मान की एक विशिष्ट परंपरा है'। इसमें कहा गया है, 'आयोग अभिजीत गंगोपाध्याय को आदर्श आचार संहिता के दौरान अपने सार्वजनिक बयानों में सावधानी बरतने की सख्त चेतावनी देता है।'

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

विरोध के दौरान पुलिस ने लाठी का उपयोग किया तो भागे लोग

युवक की हत्या के बाद सड़क पर उतरा समाज

क्रांति समय www.krantisamay.com www.guj.krantisamay.com www.epaper.krantisamay.com www.rti.krantisamay.com

सूरत, सूरत के डिंडोली में हुई हत्या के मामले में मृतक युवक के परिवार और समाज के लोगों ने चक्का जाम किया. डिंडोली नवागाम के बिलियानगर में दो रिश्तेदारों समेत ५ लोगों ने एक युवक की चाकू मारकर हत्या कर दी, जिसके बाद भागे हुए आरोपियों को पुलिस ने कुछ ही घंटों में पकड़ लिया. जिसके बाद भी किसी कारण वस मृतक युवक के परिजन और यादव समाज के लोग सड़क पर उतर आए और डिंडोली में पुल को बंद कर हंगामा किया. घटना की जानकारी होते ही पुलिस के बड़े अधिकारियों समेत काफिला मौके पर पहुंच गया. पुलिस के समझाने के बाद पूरा मामला शांत हुआ. जानकारी के मुताबिक, बिहार का मूल निवासी और वर्तमान में नवागाम डिंडोली गणपति धाम सोसायटी में रहने वाला २५ वर्षीय विशाल उर्फ अतुल विनोद सोनी (यादव) घर के पास ज्ञान भारती स्कूल की गली से अपनी बंद मोपेड को धक्का मारके ले जा रहा था. डिंडोली में रहने वाले मुकेश भानु मीर, गोपाल भानु मीर, अभिषेक उर्फ कालिया अखिलेश पाठक, आनंद उर्फ कालुपुरे रमाशंकर यादव और एक नाबालिग सागरित ने युवक पर घातक हथियारों से हमला किया था. घटना पर डीसीपी भागीरथ गढ़वी ने कहा कि हत्या कुछ दिन पहले हुए झगड़े की दुश्मनी में की गई है. एक नाबालिग समेत ५ लोगों ने यह योजना बनाकर हत्या की थी. हत्या के बाद आरोपी डिंडोली से भागकर दूसरे जगह चले गए थे. फिलहाल ४ आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है जबकि गोपाल भानु मीर फरार है और उसे वांछित घोषित किया गया है. आगे उन्होंने कहा कि हत्या की घटना के बाद मृतक के परिजनों द्वारा सड़क जाम करने का प्रयास किया गया. जिसके बाद पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची. लोगों को हटाने की कोशिश की. वे अपील कर रहे थे कि आम जनता को कोई परेशानी नहीं हो, यालियों को भी परेशानी हो रही है. इसके साथ ही पास में ही एक अस्पताल भी स्थित है. उसे भी तकलीफ हो रही थी. इस बीच, उनमें से कुछ ने मृतक के परिवार के सदस्यों को हटाने की कोशिश करते हुए पुलिस से लड़ने की कोशिश की. इस संबंध में पुलिस ने कार्रवाई करते हुए न्यूनतम बल प्रयोग कर लोगों को वहां से हटाया. साथ ही पुलिस ने कार्रवाई का आश्वासन दिया.

पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी को उनकी पुण्य तिथि पर स्थानीय कांग्रेसियों ने श्रद्धांजलि दी

क्रांति समय www.krantisamay.com www.guj.krantisamay.com www.epaper.krantisamay.com www.rti.krantisamay.com

सूरत, सूरत में पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की पुण्य तिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि दी गई. विधायक एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री डॉ. तुषार चौधरी और गुजरात प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महासचिव एडवोकेट दर्शन कुमार ए. नायक ने शहीद राजीव गांधी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उनके कार्यों को याद किया. इस अवसर पर कांग्रेस के अनेक कार्यकर्ता और पदाधिकारी उपस्थित थे.

सूरत सिविल अस्पताल ने तैयार किया हीटवेव एक्शन प्लान, नर्सों को दी जा रही है विशेष ट्रेनिंग

क्रांति समय www.krantisamay.com www.guj.krantisamay.com www.epaper.krantisamay.com www.rti.krantisamay.com

सूरत, सूरत समेत देश के विभिन्न क्षेत्र में लोगों को भीषण गर्मी का सामना करना पड़ रहा है. वहीं सूरतवासियों को ४० डिग्री से अधिक तापमान का सामना करना पड़ रहा है. इस गर्मी और लू के खिलाफ न्यू सिविल अस्पताल में विशेष तैयारियां की गई हैं. अस्पताल स्टाफ को भी विशेष मार्गदर्शन दिया जा रहा है. ऑरेंज अलर्ट के चलते न्यू सिविल अस्पताल अलर्ट मोड पर आ गया है. गर्मी को देखते हुए न्यू सिविल में आइसोलेशन वार्ड बनाया गया है. नर्सों को लू में कैसे काम करना है इसकी जानकारी भी दी जा रही है. नए सिविल अस्पताल की नर्सों को मेडिकल संबंधी जानकारी दी जा रही है. किसी भी तटीय शहर में तापमान ३७ डिग्री तक जाना सामान्य बात है. लेकिन जब लू की चिंता की बात आती है, तो राष्ट्रीय मौसम सेवा द्वारा एक अध्ययन किया जाता है. पिछले कुछ सालों से शहर का तापमान लगातार बढ़ रहा है. फिर शहर का तापमान भी हर साल पिछले साल की तुलना में बढ़ रहा है. जलवायु परिवर्तन के प्रभाव के कारण देश के अन्य शहरों की तरह सूरत में भी तापमान लगातार बढ़ रहा है. साल २००४ में सूरत में दिन का तापमान ४४.४४ डिग्री दर्ज किया गया था, जो अब तक का सबसे ज्यादा है. हालाँकि, पिछले दो-तीन वर्षों से तापमान ४२ डिग्री तक पहुँचना आम बात हो गई है. ऐसे में अब सूरतवासियों पर हीटस्ट्रोक का खतरा बढ़ गया है. इसे लेकर सिविल अस्पताल में तैयारियां कर ली गई हैं.

सूरत बस डिपो में 175 बीआरटीएस बंद स्थिति में : महेश अणघण

क्रांति समय www.krantisamay.com www.guj.krantisamay.com www.epaper.krantisamay.com www.rti.krantisamay.com

सूरत, सूरत के कोसाड आवास क्षेत्र में स्थित बस डिपो में १७५ बीआरटीएस बंद हालत में होने के आरोप सामने आया है. आम आदमी पार्टी के पार्षद महेश अणघण ने कोसाड आवास स्थित बस डिपो का दौरा किया. जिसमें अचानक महेश अणघण को पता चला कि सूरत की १७५ बीआरटीएस बस डिपो में धूल खा रही है. इसका कोई मालिक नहीं है और नगर पालिका इसे जर्जर हालत में छोड़कर भूल गई है. एक ओर जहां सूरत के हजारों यात्री दिन भर धक्का-मुक्की और लोगों को बसों में खचाखच भरा के जाना पड़ता है, वहीं दूसरी ओर १७५ बसें धूल भरी और जर्जर हालत में पड़ी रहती हैं. महेश अणघण ने बताया कि नगर निगम अधिकारी को सूचना देने पर जवाब मिला कि ४० बसें बंद हैं, जबकि डिपो की स्थिति कुछ और ही दिखी, जो संदेह पैदा करता है.क्या नगर निगम की किताबों में ये १७५ बंद बसें चालू दिखाई देती है? ऐसा सवाल महेश अणघण ने पूछा था.यदि नगर पालिका के रिकार्ड में इन बंद बसों का अस्तित्व दर्शाया गया है तो नगर पालिका द्वारा हर माह बिल का भुगतान किया जाता है या नहीं यह भी जांच का विषय है.

आप पार्षद महेश अणघण ने कहा कि बड़ा सवाल यह उठ रहा है कि क्या नगर पालिका को इस बात की जानकारी है कि इतनी बड़ी संख्या में सिटी बसें कोसाड डिपो में बंद हालत में पड़ी हुई है. सूरत नगर निगम कमिश्नर ने इस मामले में रूचि लेते हुए तत्काल उचित समाधान निकालने का आग्रह किया.

सूरत में महिला पुलिस टीम ने की बस यात्रा, वरिष्ठ नागरिकों से की मुलाकात, घर से काम पर आने वाले लोगों पर नजर रखने की सलाह

क्रांति समय www.krantisamay.com www.guj.krantisamay.com www.epaper.krantisamay.com www.rti.krantisamay.com

सूरत में शी की टीम बस यात्रा कर वरिष्ठ नागरिकों से मुलाकात करती है, उन्हें घर पर काम करने आने वाले लोगों पर नजर रखने के निर्देश देती है

सूरत सिटी पुलिस शहर के नागरिकों की सुरक्षा के साथ-साथ कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए लगातार प्रयासरत है। पुलिस आयुक्त अनुपमसिंह गहलोत ने विभिन्न अभियानों के माध्यम से नागरिकों और पुलिस के बीच सौहार्दपूर्ण वातावरण बनाने के लिए सभी कार्य करने के आदेश दिए हैं। फिर सूरत की कापोद्रा पुलिस की टीम ने आज बीआरटीएस बस में यात्रा की और बीआरटीएस बस स्टैंड का सर्वेक्षण कर महिलाओं को मार्गदर्शन दिया गया कि यात्रा के दौरान यदि उन्हें कोई समस्या आती है तो वे पुलिस से कैसे संपर्क करें। भीड़-भाड़ वाले इलाकों में कैसे सतर्क रहना है इसकी भी जानकारी दी गई। इसके साथ ही वरिष्ठ नागरिकों से मुलाकात कर उनकी कठिनाइयों के बारे में पूछताछ की गई और उन्हें सतर्क रहने के बारे में जानकारी दी गई।

गर्मी का अलर्ट जारी होते ही नगर निगम द्वारा दोपहर १२ बजे से शाम ४ बजे तक शहर में साइड कार्य नहीं करने की सुचना

क्रांति समय www.krantisamay.com www.guj.krantisamay.com www.epaper.krantisamay.com www.rti.krantisamay.com

सूरत, सूरत समेत देश के कई शहरों में गर्मी का अलर्ट जारी होने से सूरत नगर निगम अलर्ट हो गई है. शहर में चल रहे निर्माण स्थल पर दोपहर १२ बजे से शाम ४ बजे तक कोई काम नहीं करने और निर्माण स्थल पर छाछ बांटने की सुचना दी गई है. सूरत शहर में पिछले कुछ दिनों से लगातार गर्मी पड़ रही है और अगले कुछ दिनों के लिए अलर्ट जारी किया गया है. इस अलर्ट के चलते सूरत नगर पालिका की स्वास्थ्य व्यवस्था भी अलर्ट हो गई है. सूरत शहर में हिट एक्शन प्लान के तहत विभिन्न अभियानों के लिए सभी विभागों को सूचित कर दिया गया है. सूरत नगर निगम के सभी शहरी स्वास्थ्य केंद्रों को गर्मी में शाम ७:०० बजे तक खुले रहने का आदेश दिया गया है. केंद्र पर श्रमिकों को छाछ वितरित करने के निर्देश दिए गए हैं. साथ ही शहर में चल रहे निर्माण स्थल पर मजदूरों को परेशानी न हो इसके लिए दोपहर में चार घंटे तक काम बंद करने की सुचना दी गई है. इसके अलावा सभी निर्माण स्थलों पर छाछ वितरित करने के भी निर्देश दिए गए हैं. इसके साथ ही सूरत नगर निगम के सफाईकर्मियों के लिए दोपहर के काम के घंटों में बदलाव करने और कर्मचारियों के लिए उचित जलयोजन बनाए रखने के लिए भी कहा गया है. सूरत शहर के नगर निगम अस्पतालों को हिट संबंधित विषाक्तता के मामले में इलाज के लिए पूरी तरह से तैयार रहने के लिए कहा गया है. बचने के लिए लोगों को जागरूक करने के लिए बीआरटीएस और सीटी बसों में अलर्ट घोषित करने के साथ ही बस चालकों और कंडक्टर्स को हीट अलर्ट के बारे में संदेश देने के भी निर्देश दिए गए हैं.